PLANET NEWS INDIA Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

सीजेपी को मिला वकीलों का साथ:बोले- दमन हुआ तो बिना फीस के लड़ेंगे केस

महाराष्ट्र के पालघर जिले की वसई लॉयर्स एसोसिएशन ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में सामने आने की बात कही है। संगठन ने कहा है कि अगर पार्टी के सदस्यों को किसी तरह के कथित दमन का सामना करना पड़ता है और उनके खिलाफ मामले दर्ज होते हैं, तो उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। एसोसिएशन के प्रवक्ता दिगंबर देसाई ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही।

जरूरत पड़ी तो मुफ्त में करेंगे पैरवी'

दिगंबर देसाई से पूछा गया था कि अगर सीजेपी के सदस्यों के खिलाफ मामले दर्ज होते हैं तो क्या वकील उनके बचाव के लिए बिना फीस के आगे आएंगे। इस पर उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रहना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उनकी संस्था न्यायिक मंच पर ऐसे लोगों की मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वकील ऐसे मुद्दों पर समर्थन देने और जिन लोगों को कथित दमन का सामना करना पड़ रहा है, उनके साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं।

शिवाजी पार्क में प्रदर्शन की तैयारी

यह बयान ऐसे समय आया है जब सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके शुक्रवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन करने वाले हैं। पार्टी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन की बात कर रही है। सीजेपी की ओर से ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जा रही है। पार्टी का आरोप है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ काम किया है। हालांकि, ये आरोप सीजेपी की ओर से लगाए गए हैं।

मुंबई पुलिस ने नहीं दी प्रदर्शन की अनुमति

मुंबई पुलिस ने सीजेपी को शिवाजी पार्क में प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी है। इसके बावजूद पार्टी की ओर से प्रदर्शन की घोषणा की गई है। मामले को लेकर सीजेपी और पुलिस के रुख के बीच अब आगे की स्थिति पर नजर बनी हुई है।

अलीगढ़: मकान में सरिया खड़ा करते ही दौड़ा करंट,
किशोर समेत दो की मौत, एक की दो दिसंबर को होनी थी शादी

दादों के गांव कंचनपुर में निर्माणाधीन मकान में काम करते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक किशोर और मजदूर की जान चली गई, हादसा उस समय हुआ जब दोनों पिलर के लिए तैयार सरिया का जाल खड़ा कर रहे थे।दादों के गांव कंचनपुर में निर्माणाधीन मकान में काम करते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक किशोर और मजदूर की जान चली गई। हादसा उस समय हुआ, जब दोनों पिलर के लिए तैयार सरिया का जाल खड़ा कर रहे थे।कंचनपुर निवासी गौस मोहम्मद के मकान में निर्माण कार्य चल रहा था। बारिश में कच्चा मकान गिरने के बाद मलबा हटाकर नए मकान के पिलर के लिए सरिया का जाल तैयार किया जा रहा था। इसमें गौस मोहम्मद का 14 वर्षीय पुत्र सैजुल और गांव का ही बदन सिंह का 20 वर्षीय पुत्र संदीप कुमार मजदूरी कर रहे थे।स्थानीय लोगों ने बताया है कि पिलर के लिए जाल खड़ा करते समय सरिया मकान के सामने से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गई। जाल में करंट उतरने से दोनों बुरी तरह झुलस गए। अचेत होने पर आसपास के लोग उन्हें सांकरा के निजी चिकित्सक के पास ले गए।

वहां से छर्रा और फिर अलीगढ़ रेफर किया गया। जेएन मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार गांव से गुजर रही जर्जर हाईटेंशन लाइन से पहले भी हादसे हो चुके हैं। दोनों मृतकों के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार लेंटर डालते समय लोहे का सरिया 11 केवी सांकरा फीडर की लाइन के संपर्क में आया था। करंट लगने से संदीप और फैजुल गंभीर रूप से झुलस गए। उपचार के लिए ले जाते समय दोनों की मौत हो गई। - संदीप कुमार,अवर अभियंता।

यूपी: योगी ने बापू को दी श्रद्धांजलि और भजन सुने, बोले-
उनके विचार आज भी हमारा मार्ग दर्शन करते हैं, भजन सुने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गांधी जयंती के अवसर पर महात्मा गांधी को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, शास्त्री जी को भी उन्होंने याद किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गांधी जयंती के अवसर पर लखनऊ के हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने गांधी प्रतिमा के पास बैठकर भजन भी सुने।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गांधी जयंती के अवसर पर लखनऊ के हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने गांधी प्रतिमा के पास बैठकर भजन भी सुने।सीएम योगी ने इस अवसर पर एक्स पर कहा कि सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर संपूर्ण विश्व को स्वदेशी व अहिंसा के माध्यम से स्वाधीनता का संदेश देने वाले, 'राष्ट्रपिता' महात्मा गांधी जी की पावन जयंती पर कोटिशः नमन।

प्रदेश वासियों को 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' की शुभकामनाएं।वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी को भी सीएम योगी ने याद किया और कहा कि 'जय जवान-जय किसान' के उद्घोष से देश के सैनिकों व अन्नदाता किसानों में अदम्य ऊर्जा भरने वाले, पूर्व प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न' लाल बहादुर शास्त्री जी की पावन जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि।आपका दृढ़ नेतृत्व, ईमानदारी और सादगीपूर्ण जीवन देश वासियों के लिए युगों-युगों तक अनुकरणीय रहेगा।

फ्लाईदुबई: इस्राइली पीएम नेतन्याहू बोले-
आरोपी सह-पायलट आत्मघाती हमलावर था; चिल्ला रहा था- मुझे मार डालो

इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि फ्लाईदुबई के विमान को क्रैश करने वाला सह-पायलट इस्लामिक कट्टरपंथी था। जांच में ये भी पता चला है कि आरोपी विमान के कंट्रोल यूनिट को तबाह कर विमान को क्रैश करना चाहता था।दुबई से तेल अवीव जा रहे फ्लाईदुबई के विमान को क्रैश करने की कोशिश करने वाला सह-पायलट आत्मघाती हमलावर था। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ये दावा किया है। आरोपी सह-पायलट को सऊदी अरब की सरकार ने दुबई की जांच एजेंसियों को सौंप दिया है, जो उससे पूछताछ कर रही हैं। इस्राइली जांच एजेंसियां भी इस जांच में मदद कर रही हैं। इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने दावा किया है कि आरोपी इस्लामिक कट्टरपंथी था और उसने विमान को क्रैश करने की हिंसक कोशिश की, जिसे पायलट स्थित मच्छार और अन्य यात्रियों ने सफल नहीं होने दिया।

'इस्लामिक कट्टरपंथी था आरोपी'

इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने दावा किया है कि आरोपी इस्लामिक कट्टरपंथी था और उसने विमान को क्रैश करने की हिंसक कोशिश की, जिसे पायलट स्थित मच्छार और अन्य यात्रियों ने सफल नहीं होने दिया। इस्राइली पीएम ने फॉक्स एंड फ्रेंड्स को बताया कि आरोपी को काबू करने के लिए यात्रियों ने ईयरफोन की मदद से उसे बांधा और उसे कॉकपिट से बाहर निकाल दिया। इस दौरान वह लेटा हुआ चिल्ला रहा था कि मुझे मार डालो..मुझे मार डालो। नेतन्याहू ने कहा कि इससे साफ है कि वह आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा था।

विमान के कंट्रोल यूनिट को खराब करना चाहता था आरोपी

नेतन्याहू के प्रवक्ता डेविड मेनसर ने फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में बताया कि एक यात्री ने नेतन्याहू को बताया कि जब वे कॉकपिट में दाखिल हुए तो आरोपी सह-पायलट कुर्सी पर नहीं बैठा हुआ था और वह विमान की कंट्रोल यूनिट पर खड़ा हुआ था। वह अपने पैरों से विमान की कंट्रोल यूनिट को खत्म करने की कोशिश कर रहा था। मेनसर ने कहा कि उसका उद्देश्य विमान को क्रैश कराना था। इस्राइली के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने आरोपी सह-पायलट को आतंकवादी करार दिया है।

ट्रंप ने दिए संकेत- ईरान से हो सकता है संबंध

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि आरोपी सह-पायलट के ईरान से संबंध हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की और कहा कि ये आकलन सिर्फ सुनी गई बातों के आधार पर है। वहीं इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने ईरान की संलिप्तता पर कहा है कि अभी इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि जांच जारी है। नेतन्याहू ने ये भी कहा कि यह 11 सितंबर जैसा हमला करने की साजिश हो सकती थी।

Aligarh News: सिलसन धुरंधर ने वार्ष्णेय एनके सुपर किंग्स को हराया

वार्ष्णेय प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को सिलसन धुरंधर ने वार्ष्णेय एनके सुपर किंग्स को 50 रन से शिकस्त दी। वार्ष्णेय युवा संगठन महानगर की ओर से डीएस कॉलेज के क्रीड़ा स्थल पर आयोजित मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सिलसन धुरंधर की टीम ने पांच विकेट खोकर 124 रन बनाए।सुमित गुप्ता लॉक्स ने 43 रन की शानदार पारी खेली, जबकि मयूर गोटेवाल ने 27 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। वार्ष्णेय एनके सुपर किंग्स की ओर से मनदीप और चित्रांश गुप्ता ने दो-दो विकेट लिए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी वार्ष्णेय एनके सुपर किंग्स की पूरी टीम 7.4 ओवर में 74 रन पर सिमट गई। सिलसन धुरंधर की ओर से लव गुप्ता ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके। उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष विष्णु भैया, सलाहकार भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक, आकाशदीप वार्ष्णेय, अध्यक्ष धनंजय वार्ष्णेय समेत अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

मायावती बोलीं: सपा को वोट तो पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों का चाहिए, वो टिकट परिवार और पूंजीपतियों को देते हैं

बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें वोट आम जनता का चाहिए लेकिन वो टिकट पूंजीपतियों और परिवार के लोगों को देते हैं। जनता को उनसे सावधान रहना चाहिए।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि सपा को वोट तो पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों का पर वो टिकट परिवार और पूंजीपतियों को देते हैं। जनता को इस बात को समझना चाहिए कि सपा का पीडीए एक छलावा है। वहीं, उन्होंने ये भी कहा कि राज्यसभा चुनाव में सपा का तीसरा उम्मीदवार सिर्फ फेस सेविंग के लिए ही होगा।

एक्स पर जारी किए गए बयान में उन्होंने कहा कि जैसाकि यह सर्वविदित है कि बसपा किसी भी छोटे-बड़े चुनाव में विरोधी पार्टियों में भी खासकर समाजवादी पार्टी की तरह अपने परिवार, सगे-सम्बंधी, भाई-भतीजों, करीबी रिश्ते-नातेदारों के साथ ही विशेषकर बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों आदि को टिकट नहीं देती है, यानी चुनावों में उनके धनबल का सहारा नहीं लेती है, बल्कि पार्टी में कार्यरत सर्वसमाज में से केवल गरीब, मध्यम वर्ग व कमजोर तबकों के कर्मठ अम्बेडकरवादी लोगों को ही अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनाती है, अर्थात बीएसपी की राजनीति परिवारवाद व धनबल से मुक्त व पाक-साफ है, जबकि वहीं दूसरी तरफ सपा ठीक इसके विपरीत कार्य करती है, जो अपने आपको समाजवादी व कथित 'पीडीए'की पार्टी होने का राजनीतिक ढोंग व छलावा करती हुई ज्यादा नजर आती है।

उन्होंने आगे कहा कि इसका एक और खास व ताजा उदाहरण यह है कि सपा ने यूपी से राज्यसभा के लिये द्विवार्षिक चुनाव में रामगोपाल यादव को फिर से पर्चा भरवाया है जो सपा मुखिया के नजदीकी रिश्तेदार हैं, जबकि सपा ने अपनी पार्टी का दूसरा उम्मीदवार धनराज परिमल नाथवानी को बनाया है, जो चर्चित उद्योग घराने से सम्बद्ध हैं। लोगों की राय में सपा का तीसरा उम्मीदवार पहले की तरह संभवतः 'फेस सेविंग' व चुनाव हारने के लिये होगा तो इस प्रकार का है सपा, उसका 'पीडीए' व उस पार्टी का समाजवाद अर्थात् सपा को चुनाव में वोट तो 'पीडीए' का चाहिये, लेकिन सांसद व विधायक आदि ज़्यादातर अपने परिवार वालों को व बड़े-बड़े पूंजीपतियों को बनाती है। अतः जनता इनके 'पीडीए' के बहकावे में ना आये तो यह सही होगा।

उन्होंने कहा कि वास्तव में यह कोई नई बात नहीं है बल्कि सपा का इस प्रकार का दोहरा चाल, चरित्र व चेहरा हमेशा से ही रहा है और इसीलिये खासकर अपरकास्ट समाज के गरीबों तथा 'बहुजन समाज' अर्थात दलितों, आदिवासियों, अति-पिछड़ों, मुस्लिम एवं अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के समस्त लोगों को अब ख़ासकर यूपी विधानसभा आमचुनाव से पहले ही जरूर पूरी तरह से सचेत व सतर्क हो जाना चाहिये कि उन सबका हित अम्बेडकरवादी बीएसपी में ही निहित व सुरक्षित है, बाकी सब छलावा ही छलावा है।

आधार में अधिक बार जन्मतिथि बदलवाने के नियम होंगे सख्त, 15 अक्तूबर से नई व्यवस्था लागू होने की उम्मीद

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के नियमों के मुताबिक आधार में जन्मतिथि सामान्य प्रक्रिया से केवल एक बार अपडेट की जा सकती है। दूसरी बार बदलाव केवल विशेष परिस्थितियों में किया जा सकता है। इसके नियम सख्त किए जा रहे हैं। आधार कार्ड में जन्मतिथि में बदलाव कराने वालों के लिए नियम और सख्त होने जा रहे हैं। एक बार जन्मतिथि अपडेट कराने के बाद दूसरी बार बदलाव सामान्य प्रक्रिया से नहीं किया जा सकता। इसके लिए पहले से ही विशेष प्रक्रिया लागू है। अब इस प्रक्रिया को और कड़ा किया जाएगा। पिछले कुछ दिनों से दूसरी बार जन्मतिथि बदलने के आवेदनों पर रोक लगी हुई है। नई व्यवस्था तैयार की जा रही है और 15 अक्तूबर से दूसरी बार जन्मतिथि में बदलाव की सुविधा नई प्रक्रिया के साथ शुरू होने की उम्मीद है।

इसलिए की गई है कवायद

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक सैकड़ों ऐसे मामले रोज आते रहे हैं जो एक से अधिक बार जन्मतिथि बदलवाने से संबंधित होते हैं। यूआईडीएआई के आंकड़ों की बात करें तो यूपी और बिहार में ऐसे आवेदन सबसे अधिक आते हैं। इसमें युवाओं की संख्या अधिक रहती है। सूत्रों के मुताबिक नौकरी आदि के लिए लोग जन्मतिथि में बदलाव करवाते हैं, जिससे उनको अधिक मौके मिल सकें। इस तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे इसलिए नियम कड़े किए जाएंगे। विशेष परिस्थितियों में ही दूसरी या उससे अधिक बाद जन्मतिथि में बदलाव किया जा सकेगा।

शिमला के जुब्बल के धार गांव में देर रात भड़की भीषण आग,

शिमला जिले के जुब्बल क्षेत्र के धार गांव में देर रात अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ने तेजी से फैलते हुए पांच घरों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों के साथ दमकल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। आग को आसपास के अन्य मकानों तक पहुंचने से रोकने के लिए काफी देर तक प्रयास किए गए। रातभर चले अभियान के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया। अग्निकांड में हुए नुकसान और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। शिमला जिले के जुब्बल क्षेत्र में देर रात एक बड़े अग्निकांड से लोगों में दहशत फैल गई। धार गांव में अचानक लगी आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें उठती देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपने स्तर पर भी बचाव कार्य में जुट गए। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते कई मकान इसकी चपेट में आ गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पांच घर आग की चपेट में आकर बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

रात में आग लगने से मचा हड़कंप

घटना रात के समय हुई, इसलिए आग पर नियंत्रण पाने में काफी चुनौती का सामना करना पड़ा। गांव में जैसे ही लोगों को आग लगने का पता चला, उन्होंने आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी और आग को दूसरे मकानों तक फैलने से रोकने के प्रयास शुरू कर दिए। इसके बाद दमकल विभाग और पुलिस को भी सूचना दी गई। संबंधित टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। धार गांव में मकानों के आसपास आग के फैलने की आशंका को देखते हुए राहत एवं बचाव दल के सामने सबसे बड़ी चुनौती आग को आगे बढ़ने से रोकना थी। दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

नियम लागू, लेकिन कैमरे खामोश: दिल्ली में बिना पीयूसी भरता रहा पेट्रोल-डीजल, पहले दिन कई पंपों पर अव्यवस्था

कई पेट्रोल पंपों पर लगाए गए ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरे या तो खामोश नजर आए या वाहनों का पीयूसी स्टेटस ही नहीं बता सके। जहां सिस्टम ने पीयूसी की स्थिति दिखाई, वहां भी बिना वैध प्रमाणपत्र वाले वाहनों को ईंधन मिलता रहा।

कई पेट्रोल पंपों पर लगाए गए ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरे या तो खामोश नजर आए या वाहनों का पीयूसी स्टेटस ही नहीं बता सके। जहां सिस्टम ने पीयूसी की स्थिति दिखाई, वहां भी बिना वैध प्रमाणपत्र वाले वाहनों को ईंधन मिलता रहा।

दिल्ली के चार पेट्रोल पंपों पर की गई पड़ताल में सामने आया कि नियम तो लागू हो गया, लेकिन उसे धरातल पर लाने की व्यवस्था अभी पूरी तरह तैयार नहीं है। कई वाहन चालक सामान्य दिनों की तरह पेट्रोल-डीजल भरवाकर निकलते दिखे। कुछ पंपों पर कर्मचारियों ने पीयूसी के बारे में पूछा जरूर, लेकिन प्रमाणपत्र नहीं होने पर वाहन को ईंधन देने से रोकने की कोई प्रभावी व्यवस्था नजर नहीं आई।

बाबा खड़क सिंह मार्ग स्थित पेट्रोल पंप पर एएनपीआर कैमरा लगा था। वाहन लगातार पंप में प्रवेश करते रहे और कर्मचारी सामान्य तरीके से ईंधन भरते रहे। कुछ चालकों से पीयूसी के बारे में पूछताछ भी की गई, लेकिन प्रमाणपत्र नहीं होने पर उन्हें केवल इसे बनवाने की सलाह दी गई। ईंधन रोकने की कोई स्पष्ट प्रक्रिया दिखाई नहीं दी। वाहन चालक सूरज सिंह ने बताया कि उन्हें पीयूसी जरूरी होने की जानकारी है, लेकिन पेट्रोल लेने से पहले प्रमाणपत्र दिखाने को नहीं कहा गया।

शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन के पास स्थित पेट्रोल पंप पर कुछ ऐसे वाहन भी पहुंचे जिनका पीयूसी समाप्त हो चुका था। इसके बावजूद ईंधन भरने की प्रक्रिया सामान्य रूप से चलती रही। पंप कर्मचारियों ने बताया कि व्यवस्था नई है और उन्हें भी पूरी प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट निर्देशों का इंतजार है। वाहन चालक सुनीता देवी ने बताया कि उन्हें किसी कर्मचारी ने पीयूसी बनवाने के लिए नहीं कहा।

जनपथ स्थित पेट्रोल पंप पर नियम को लेकर जागरूकता की कमी सामने आई। कई वाहन चालकों ने कहा कि उन्हें पता ही नहीं था कि बिना वैध पीयूसी के पेट्रोल-डीजल लेने पर रोक से जुड़ा नियम लागू हो चुका है। वे रोज की तरह पंप पर पहुंचे और ईंधन भरवाकर निकल गए। वाहन चालक सतीश शर्मा ने बताया कि यदि नियम लागू किया गया है तो लोगों को इसकी जानकारी भी व्यापक स्तर पर दी जानी चाहिए। आरके पुरम स्थित पेट्रोल पंप पर एएनपीआर सिस्टम काम करता दिखाई दिया। कैमरे ने वाहन की पीयूसी स्थिति सामने आने के बावजूद ईंधन भरने की प्रक्रिया नहीं रुकी। इससे सवाल खड़ा होता है कि जब सिस्टम पीयूसी की जानकारी दे रहा है, तो उसी आधार पर कार्रवाई कौन और कैसे करेगा? केवल कैमरा लगाने से नियम लागू नहीं होगा। कैमरे से मिली जानकारी को पंप कर्मचारी तक पहुंचाने और उसके आधार पर ईंधन रोकने की स्पष्ट व्यवस्था भी जरूरी है।

दिल्ली: आज से बिना पीयूसी नहीं मिलेगा ईंधन, जानिए कैसे होगी निगरानी; पकड़े जाने पर 10 हजार रुपये तक का चालान

ऐसे होगी पेट्रोल पंप पर निगरानी

पेट्रोल पंप संचालकों के अनुसार, पेट्रोल पंप में प्रवेश करने वाले वाहन की नंबर प्लेट कैमरे से पढ़ी जाएगी। सिस्टम नंबर के आधार पर वाहन की जानकारी और पीयूसी की स्थिति की जांच करेगा। वैध पीयूसी होने पर वाहन को ईंधन दिया जाएगा। बिना वैध पीयूसी वाले वाहन की पहचान होने पर उसे ईंधन देने से रोका जाएगा।

कल यानी गुरुवार से दिल्ली में बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) वाले वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा। नियम लागू होने से एक दिन पहले बुधवार को राजधानी के कई पेट्रोल पंपों पर इसकी तैयारी का असर खास नजर नहीं आया। कनॉट प्लेस, बाबा खड़क सिंह मार्ग, जनपथ, राजेंद्र प्लेस, आरके पुरम और मुनिरका समेत कई पेट्रोल पंपों पर बने पीयूसी स्टेशन खाली रहे। अधिकतर पेट्रोल पंपों पर सामान्य दिनों जैसी ही स्थिति रही। पंपों पर आने वाले कई वाहन चालकों को नए नियम की जानकारी तक नहीं थी।पकड़े जाने पर 10 हजार रुपये तक कटेगा चालान

सरकार का कहना है कि दिल्ली में करीब 500 एएनपीआर कैमरों से लैस पेट्रोल पंपों पर इसकी सख्ती से निगरानी की जाएगी। अभियान के तहत बिना वैध पीयूसी वाहन चलाने वालों पर प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में मोटर वाहन नियमों के तहत 10 हजार रुपये तक का चालान हो सकता है। इसके साथ ही प्रदूषण नियंत्रण के लिए एआई आधारित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को सक्रिय किया जा रहा है। 334 प्रवर्तन टीमें भी तैनात की गई हैं। पेट्रोल पंपों पर वाहन चालकों से बातचीत में पता चला कि कई लोगों को सिर्फ इतना पता था कि पीयूसी जरूरी है, लेकिन यह जानकारी नहीं थी कि एक अक्तूबर से पीयूसी नहीं होने पर पेट्रोल या डीजल भी नहीं मिलेगा। दिल्ली सरकार ने एक अक्तूबर से नो पीयूसी, नो फ्यूल व्यवस्था को सख्ती से लागू करने की घोषणा की है। इसके तहत वैध पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं होने पर पेट्रोल, डीजल समेत ईंधन नहीं मिलेगा। बुधवार को कई पेट्रोल पंप संचालकों से बातचीत में यह भी सामने आया कि कर्मचारियों को नियम लागू करने की प्रक्रिया को लेकर हर जगह स्पष्ट जानकारी नहीं मिली थी। पेट्रोल पंप संचालक ब्रिजेश ने बताया कि लोगों को अभी तक जानकारी नहीं पहुंची। उनके अनुसार, बुधवार दिन में करीब 35 लोग ही पीयूसी करवाने पहुंचे। उनके मुताबिक, पीयूसी बनवाने के दौरान वाहन मालिक के मोबाइल नंबर पर ओटीपी आता है। ऐसे में जिन लोगों का मोबाइल नंबर बदल गया है या पुराना नंबर बंद हो चुका है, उन्हें परेशानी हो सकती है। पीयूसी केंद्रों पर बढ़ सकती है भीड़

बाबा खड़क सिंह मार्ग स्थित पेट्रोल पंप संचालक जंयत ने बताया कि नियम लागू होने के बाद पीयूसी केंद्रों पर भीड़ बढ़ने की संभावना है। उनके अनुसार, वाहन चालक सुविधा के कारण अक्सर पेट्रोल पंपों पर ही पीयूसी बनवाना पसंद करते हैं। जिन वाहन चालकों ने अभी तक पीयूसी नहीं बनवाया है, उन्हें अब इसकी जरूरत पड़ेगी। वाहन मालिकों के लिए सिर्फ पीयूसी बनवाना ही नहीं, बल्कि उसकी वैधता जांचना भी जरूरी होगा। प्रमाणपत्र की अवधि खत्म होने पर नया प्रमाणपत्र बनवाना पड़ेगा।आरकेपुरम में मौजूद वाहन चालक रमन ने बताया कि उसे नियम की जानकारी पहली बार पेट्रोल पंप पर ही मिली। वहीं, एक अन्य चालक मनोज ने बताया कि वह हर महीने वाहन में ईंधन भरवाता है, लेकिन उसे इस तरह के नियम की जानकारी नहीं थी।

ईदुबईः इस्राइली पीएम नेतन्याहू बोले- आरोपी सह-पायलट आत्मघाती हमलावर था

दुबई से तेल अवीव जा रहे फ्लाईदुबई के विमान को क्रैश करने की कोशिश करने वाला सह-पायलट आत्मघाती हमलावर था। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ये दावा किया है। आरोपी सह-पायलट को सऊदी अरब की सरकार ने दुबई की जांच एजेंसियों को सौंप दिया है, जो उससे पूछताछ कर रही हैं। इस्राइली जांच एजेंसियों भी इस जांच में मदद कर रही हैं। इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने दावा किया है कि आरोपी इस्लामिक कट्टरपंथी था और उसने विमान को क्रैश करने की हिंसक कोशिश की, जिसे पायलट स्मित मच्छार और अन्य यात्रियों ने सफल नहीं होने दिया।

'इस्लामिक कट्टरपंथी था आरोपी'इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने दावा किया है कि आरोपी इस्लामिक कट्टरपंथी था और उसने विमान को क्रैश करने की हिंसक कोशिश की, जिसे पायलट स्मित मच्छार और अन्य यात्रियों ने सफल नहीं होने दिया।

इस्राइली पीएम ने फॉक्स एंड फ्रेंड्स को बताया कि आरोपी को काबू करने के लिए यात्रियों ने ईयरफोन की मदद से उसे बांधा और उसे कॉकपिट से बाहर निकाल दिया। इस दौरान वह लेटा हुआ चिल्ला रहा था कि मुझे मार डालो..मुझे मार डालो। नेतन्याहू ने कहा कि इससे साफ है कि वह आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा था। विमान के कंट्रोल यूनिट को खराब करना चाहता था आरोपीनेतन्याहू के प्रवक्ता डेविड मेनसर ने फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में बताया कि एक यात्री ने नेतन्याहू को बताया कि जब वे कॉकपिट में दाखिल हुए तो आरोपी सह-

पायलट कुर्सी पर नहीं बैठा हुआ था और वह विमान की कंट्रोल यूनिट पर खड़ा हुआ था। वह अपने पैरों से विमान की कंट्रोल यूनिट को खत्म करने की कोशिश कर रहा था। मेनसर ने कहा कि उसका उद्देश्य विमान को क्रैश कराना था। इस्राइली के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने आरोपी सह-पायलट को आतंकवादी करार दिया है।

ट्रंप ने दिए संकेत- ईरान से हो सकता है संबंध

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि आरोपी सह-पायलट के ईरान से संबंध हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की और कहा कि ये आकलन सिर्फ सुनी गई बातों के आधार पर है। वहीं इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने ईरान की संलिप्तता पर कहा है कि अभी इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि जांच जारी है। नेतन्याहू ने ये भी कहा कि यह 11 सितंबर जैसा हमला करने की साजिश हो सकती थी।

पुतिन ने की पीएम मोदी की तारीफः पश्चिमी देशों को चेताया

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों और विचारों की सराहना की है। पुतिन ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन विश्व नेताओं में से एक हैं, जो हमारे बहुत अच्छे और यहां तक कि मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा व्यक्तिगत रूप से हमारे अच्छे संबंधों के बावजूद लगातार यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने का सवाल उठाते हैं और इसके बारे में पूछते हैं।''

पुतिन ने कहा, "प्रधानमंत्री की इसमें गहरी रुचि है और उनके पास ऐसे बहुत अच्छे विचार हैं, जिनका उद्देश्य दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान तलाशना है। इस अर्थ में पीएम मोदी निश्चित रूप से तटस्थ रुख अपनाते हैं, लेकिन संघर्ष को समाप्त करने में उनकी दिलचस्पी है। मुझे लगता है कि मेरा यह बात सीधे तौर पर कहना मेरा कर्तव्य है। हम पीएम मोदी के विचारों के लिए उनके आभारी हैं। हम शांतिपूर्ण तरीकों से और जल्द से जल्द इस संघर्ष को समाप्त करने की उनकी इच्छा के लिए आभारी हैं।"

हमला हुआ तो करेंगे सभी हथियारों का इस्तेमाल :पुतिन

रूसी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय आया है जब मॉस्को और नाटो के बीच तनाव को लेकर बयानबाजी तेज है। पुतिन ने गुरुवार को कहा कि रूस यूरोपीय देशों पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है, लेकिन अगर रूसी क्षेत्र पर सीधा हमला होता है तो रूस अपने पास मौजूद "सभी हथियारों" के इस्तेमाल के विकल्प पर विचार करेगा।

विदेश नीति से जुड़े एक मंच पर पुतिन ने पश्चिमी देशों और यूरोप पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देश आने वाले वर्षों में रूस के साथ युद्ध की तैयारी की बात कर रहे हैं, बाल्टिक सागर में सैन्य अभ्यास कर रहे हैं और रूसी जहाजों को जब्त कर रहे हैं।

पुतिन का यह बयान मॉस्को की उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें नाटो को कहा गया था कि अगर सैन्य गठबंधन के किसी सदस्य ने रूस के कालिनिनग्राद क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने की कोशिश की तो रूस उसकी रक्षा के लिए परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से भी पीछे नहीं हटेगा। रूस के कई यूरोपीय दूतावासों ने इस सप्ताह बयान जारी कर कहा कि मॉस्को के पास "जानकारी है कि नाटो कालिनिनग्राद और कालिनिनग्राद क्षेत्र की हवाई और नौसैनिक नाकाबंदी की तैयारी कर रहा है।"

नाटो की किस हरकत पर भड़का रूसरूसी पक्ष ने यूरोपीय नेताओं पर "खतरनाक खेल खेलने" का आरोप लगाया। मॉस्को ने उन दावों को भी बेतुका बताया, जिनमें कहा जा रहा है कि रूस किसी अन्य देश पर हमला कर सकता है या ड्रोन और तोड़फोड़ के जरिये अस्थिरता फैलाने वाली गतिविधियां बढ़ा सकता है।

पुतिन ने कहा कि नाटो को दी गई पिछली चेतावनी में "सब कुछ सही लिखा गया है।" उन्होंने कहा कि अगर रूस के खिलाफ सीधा हमला होता है, जिसमें कालिनिनग्राद या रूस का कोई अन्य क्षेत्र शामिल हो सकता है, तो देश के पास मौजूद सभी हथियारों के इस्तेमाल का सवाल "अनिवार्य रूप से और तुरंत" सामने आएगा।

हालांकि, पुतिन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि रूस के पास ऐसे हथियार हैं "जो किसी और के पास नहीं हैं" और हमला होने की स्थिति में यह तय किया जाएगा कि इनमें से किन हथियारों का इस्तेमाल किया जाए।

भारत के साथ आर्थिक गलियारों पर भी पुतिन का बयान

पुतिन ने भारत के साथ परिवहन और आर्थिक सहयोग की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रूस ने एक चीनी कंटेनर जहाज और दक्षिण कोरियाई जहाज के साथ पायलट परियोजना की है और भारतीय मित्रों के साथ भी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि रूस इन संभावनाओं वाले अंतरराष्ट्रीय गलियारों के संयुक्त इस्तेमाल के पक्ष में है। पुतिन ने उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे का भी उल्लेख किया और कहा कि इसका विकास केवल रूस पर निर्भर नहीं है।

पुतिन ने कहा कि रूस इस परियोजना के लिए ऋण संसाधन उपलब्ध कराने को तैयार है, लेकिन अभी ईरान को अपने हिस्से का काम पूरा करना है। उन्होंने कहा कि गलियारे का एक हिस्सा अजरबैजान से होकर जाएगा और इस मुद्दे पर राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ संपर्क है। पुतिन के अनुसार, इस मामले में कोई समस्या नहीं है और अजरबैजान भी सहमत है।

उन्होंने भारत के साथ लॉजिस्टिक्स के अलावा आर्थिक सहयोग की बड़ी संभावनाओं की भी बात कही। पुतिन ने कहा कि भारत के साथ आर्थिक सहयोग की क्षमता केवल परिवहन और लॉजिस्टिक्स तक सीमित नहीं है।

नाटो ने रूसी परमाणु बयानबाजी का विरोध किया

नाटो की प्रवक्ता एलिसन हार्ट ने बुधवार को पुष्टि की कि रूस ने अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन को एक लिखित संदेश भेजा है। उन्होंने कहा, "हम बल प्रयोग की धमकी, जिसमें गैर-जिम्मेदाराना परमाणु बयानबाजी भी शामिल है, की कड़ी निंदा करते हैं।" हार्ट ने कहा कि नाटो कालिनिनग्राद को निशाना नहीं बना रहा है। उन्होंने बताया कि गठबंधन ने अपने जवाब में कहा है कि "नाटो एक रक्षात्मक गठबंधन है और हमारी कोई भी गतिविधि या सैन्य अभ्यास रूस के किसी भी हिस्से के लिए खतरा पैदा नहीं करता।"

नाटो महासचिव मार्क रुटे ने बुधवार को कहा कि गठबंधन का जवाब "संक्षिप्त और स्पष्ट" था। यूरोन्यूज से बातचीत में उन्होंने कहा कि नाटो ने रूस से परमाणु धमकी बंद करने को कहा है और इसे अनुचित तथा मददगार नहीं बताया। नाटो के जवाब में रूस से यूक्रेन के खिलाफ "बिना उकसावे के आक्रामक युद्ध" को रोकने की भी अपील की गई। यह युद्ध अब पांचवें वर्ष में पहुंच चुका है।

कालिनिनग्राद पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित रूस का एक अलग क्षेत्र है। यहां रूस का बाल्टिक नौसेना का मुख्य अड्डा और अन्य सैन्य संसाधन मौजूद हैं। क्षेत्र में परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम इस्कंदर मिसाइलें भी तैनात हैं। पश्चिमी सैन्य अधिकारियों का कहना है कि अगर रूस कभी किसी नाटो सहयोगी देश पर हमला करता है तो कालिनिनग्राद में मौजूद प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठान संभावित शुरुआती लक्ष्यों में शामिल हो सकते हैं।

हाल के महीनों में नाटो सहयोगी देशों ने बाल्टिक सागर क्षेत्र में कई सैन्य अभ्यास किए हैं। अक्टूबर में भी और अभ्यास प्रस्तावित हैं। नाटो ने पिछले साल संचार केबल और पाइपलाइनों की सुरक्षा के लिए इस क्षेत्र में ऑपरेशन बाल्टिक सेंट्री शुरू किया था।

रुटे ने यूक्रेन के समर्थन पर जोर दिया

यूरोपीय नेताओं और खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि अगर रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जीतता है तो वह कुछ वर्षों के भीतर किसी अन्य देश पर हमला करने के लिए तैयार हो सकता है। रुटे ने यूरोन्यूज से कहा कि रूस यूक्रेन की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के प्रयास को कमजोर करने और पश्चिमी देशों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहा है।

जल-जंगल-जमीन बचाने वालों की आवाजें खामोश

ग्लोबल विटनेस की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में दुनिया भर में कम से कम 124 भूमि और पर्यावरण रक्षकों की हत्या हुई। इनमें करीब 85 प्रतिशत मामले लैटिन अमेरिका के थे। कोलंबिया में 39 और ब्राजील में 26 हत्याएं दर्ज की गईं। 2012 से 2025 के बीच ऐसे 2375 लोगों की हत्या या गुमशुदगी के मामले सामने आए।जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आवाज उठाना दुनिया के कई हिस्सों में लगातार जोखिम भरा होता जा रहा है। वर्ष 2025 में कम से कम 124 भूमि और पर्यावरण रक्षकों की हत्या कर दी गई। इनमें बड़ी संख्या छोटे किसानों, आदिवासी समुदायों और अन्य स्थानीय समूहों से जुड़े लोगों की थी।नई रिपोर्ट के मुताबिक, 2012 से 2025 के बीच दुनिया में पर्यावरण और भूमि अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले कम से कम 2,375 लोगों की हत्या या गुमशुदगी के मामले दर्ज हुए हैं। ग्लोबल विटनेस की रिपोर्ट कलेक्टिव पावर : द स्ट्रगल फॉर प्रोटेक्शन फॉर लैंड एंड एनवायरनमेंटल डिफेंडर्स के मुताबिक, 2025 में दुनिया भर में 124 पर्यावरण और भूमि रक्षकों की हत्या हुई। इनमें करीब 85 फीसदी मामले लैटिन अमेरिका में दर्ज किए गए। नई रिपोर्ट के मुताबिक, 2012 से 2025 के बीच दुनिया में पर्यावरण और भूमि अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले कम से कम 2,375 लोगों की हत्या या गुमशुदगी के मामले दर्ज हुए हैं। ग्लोबल विटनेस की रिपोर्ट कलेक्टिव पावर : द स्ट्रगल फॉर प्रोटेक्शन फॉर लैंड एंड एनवायरनमेंटल डिफेंडर्स के मुताबिक, 2025 में दुनिया भर में 124 पर्यावरण और भूमि रक्षकों की हत्या हुई। इनमें करीब 85 फीसदी मामले लैटिन अमेरिका में दर्ज किए गए। नई रिपोर्ट के मुताबिक, 2012 से 2025 के बीच दुनिया में पर्यावरण और भूमि अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले कम से कम 2,375 लोगों की हत्या या गुमशुदगी के मामले दर्ज हुए हैं। ग्लोबल विटनेस की रिपोर्ट कलेक्टिव पावर : द स्ट्रगल फॉर प्रोटेक्शन फॉर लैंड एंड एनवायरनमेंटल डिफेंडर्स के मुताबिक, 2025 में दुनिया भर में 124 पर्यावरण और भूमि रक्षकों की हत्या हुई। इनमें करीब 85 फीसदी मामले लैटिन अमेरिका में दर्ज किए गए।

एक्सप्लेनर: टाटा के तीन नामों में क्या अंतर,

भारत में कंपनियों के कितने प्रकार और कैसे होती है उनकी पहचान?

टाटा से जुड़े तीन नाम अक्सर सुनाई देते हैं, लेकिन तीनों की भूमिका अलग है। इस एक्सप्लेनर में समझिए टाटा ट्रस्ट्स, टाटा संस और टाटा ग्रुप के बीच क्या फर्क है। साथ ही जानिए भारत में कंपनियों की पहचान सिर्फ उनके नाम से नहीं, बल्कि उनके स्वामित्व, कानूनी ढांचे और दूसरी कंपनियों के साथ रिश्तों के आधार पर कैसे होती है। टाटा समूह में चल रह विवाद के बीच जो तीन शब्द सबसे ज्यादा सुनने को मिल रहे हैं, वो हैं टाटा ट्रस्ट्स, टाटा संस और टाटा ग्रुप। ये तीनों ही नाम एक ही कारोबारी विरासत से जुड़े हैं, लेकिन इनकी भूमिका और पहचान अलग-अलग है। आखिर टाटा ट्रस्ट्स क्या है, टाटा संस की इसमें क्या भूमिका है और टाटा समूह किस तरह काम करता है? ऐसे में ये भी सवाल उठता है कि भारत में कंपनियों का वर्गीकरण किस तरह बंटा है? ये सभी एक-दूसरे से कैसे अलग हैं और उनकी परिभाषा क्या है? आइये समझते हैं...वैधानिक कंपनी या वैधानिक निगम किसी विशेष कानून के जरिए बनाया जाता है। संसद या राज्य विधानमंडल कानून बनाकर ऐसी संस्था के अधिकार, शक्तियां, काम और जिम्मेदारियां तय करता है।इसके उदाहरण एलआईसी, एफसीआई और आरबीआई हैं। ऐसी संस्थाओं का कानूनी आधार कंपनी अधिनियम के बजाय वह विशेष कानून होता है जिसके तहत उन्हें बनाया गया है। रजिस्टर्ड कंपनी वह कंपनी होती है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 या इससे पहले के किसी कंपनी कानून के तहत निगमित हुई हो।

टाटा संस

टाटा संस टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी है। यानी यह टाटा समूह की अलग-अलग कंपनियों में हिस्सेदारी रखती है और निवेश करती है। टाटा संस की टाटा ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों में हिस्सेदारी करीब 25 फीसदी से 73 फीसदी तक है। टाटा संस की टाइटन में करीब 25 फीसदी, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन में करीब 73 फीसदी और टीसीएस में करीब 71.9 फीसदी हिस्सेदारी है।

भारत में कॉरपोरेट को कैसे अलग-अलग समझा जाता है?

अलग-अलग कॉरपोरेट समूहों को सिर्फ उनके नाम या काम के आधार पर नहीं, बल्कि कई अलग-अलग आधारों पर समझा जाता है। कोई समूह कैसे बना है, उसके सदस्यों की जिम्मेदारी कितनी है, उसमें कितने सदस्य हैं, उसका मालिक कौन है, वह किसी दूसरी कंपनी को नियंत्रित करती है या किसी दूसरी कंपनी के नियंत्रण में है और उसका उद्देश्य क्या है, इन आधारों पर अलग-अलग स्वरूप सामने आते हैं। चार्टर्ड कंपनी

चार्टर्ड कंपनी एक ऐतिहासिक प्रकार की कंपनी थी, जिसे किसी शासक की ओर से दिए गए चार्टर या विशेष अधिकार के आधार पर बनाया जाता था।इसके उदाहरण ईस्ट इंडिया कंपनी और बैंक ऑफ इंग्लैंड हैं। ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना 1600 में हुई थी, जबकि बैंक ऑफ इंग्लैंड की स्थापना 1694 में हुई।यह ध्यान रखना जरूरी है कि चार्टर्ड कंपनी आज कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत बनने वाली सामान्य कंपनी की श्रेणी नहीं है। यह मुख्य रूप से ऐतिहासिक वर्गीकरण है। रजिस्ट्रेशन के बाद कंपनी की अपनी अलग कानूनी पहचान होती है। यानी कंपनी अपने सदस्यों और मालिकों से अलग कानूनी इकाई होती है।

आईपीओ की दूसरी छमाही में होगी बंपर कमाई?:

145 कंपनियों को सेबी की मंजूरी; 2.75 लाख करोड़ की पाइपलाइन तैयार

आईपीओ बाजार में दूसरी छमाही में बड़ी हलचल देखने को मिल सकती है। 145 कंपनियों को सेबी की मंजूरी मिल चुकी है और करीब 2.75 लाख करोड़ रुपये के इश्यू पाइपलाइन में हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स, ओयो और जेप्टो जैसे बड़े नाम भी इसमें शामिल हैं, लेकिन इनमें से कितने आईपीओ वास्तव में बाजार में आएंगे? पढ़िए इस रिपोर्ट में। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारतीय बाजार में आई जबरदस्त तेजी ने वित्त वर्ष की दूसरी छमाही यानी अक्तूबर से मार्च के लिए शानदार माहौल तैयार कर दिया है। प्राइम डाटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, 25 सितंबर तक लगभग 145 कंपनियों को सेबी से आईपीओ यानी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की मंजूरी मिल चुकी है और उनके अनुमानित निर्गम का आकार लगभग 2.75 लाख करोड़ रुपये है। इस अनुमान में 91,500 करोड़ रुपये उन 61 कंपनियों से संबंधित हैं, जिनके निर्गम के आकार का अभी तक खुलासा नहीं किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है बड़े निर्गमों की संभावित लिस्टिंग के कारण दूसरी छमाही में निवेशकों को कई आकर्षक विकल्प मिलने की पूरी उम्मीद है। विश्लेषकों का मानना है कि 2.75 लाख करोड़ रुपये में से लगभग 1-1.2 लाख करोड़ रुपये तक के आईपीओ वास्तव में बाजार में उतर सकते हैं, जो स्वीकृत निर्गमों का लगभग 35-45 फीसदी है। आईपीओ लाने की पाइपलाइन में कई बड़े निवेश प्रस्ताव शामिल हैं, जिनमें से जियो प्लेटफॉर्म्स के अनुमानित इश्यू का आकार 35,000 करोड़ रुपये, अवादा इलेक्ट्रो का 7,600 करोड़ रुपये, ओवेरावल स्टेज (ओयो) 6,650 करोड़ रुपये, जेप्टो 5,106 करोड़ रुपये और क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज व डोर्फ-कैटल केमिकल्स का 5000-5000 करोड़ है। प्राइम डाटा बेस के अनुसार, आईपीओ के लिहाज से पहली छमाही की शुरुआत थोड़ी सुस्त रही थी। अप्रैल से अगस्त के बीच कंपनियों ने आईपीओ के जरिये 46,453 करोड़ रुपये जुटाए, जो 2025 की इसी अवधि में जुटाए गए 55,338 करोड़ रुपये से लगभग 16 प्रतिशत कम है। हालांकि, दूसरी तिमाही में बाजार ने जोरदार रफ्तार पकड़ी। विशेष रूप से सितंबर में करीब 31 कंपनियों ने अपने आईपीओ लॉन्च किए और कुल 39,214 करोड़ जुटाए, जिससे बाजार की रौनक कई गुना बढ़ गई। एनसई का 22,560 करोड़ रुपये का आईपीओ इस दौरान मुख्य आकर्षण रहा, जो देश का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ बन गया।मध्यम आकार के आईपीओ हो सकते हैं फायदेमंद स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट के अनुसंधान प्रमुख संतोष मीणा के कहा, दूसरी छमाही में जहां बड़े आईपीओ संस्थागत निवेशकों और बाजार का ध्यान आकर्षित करेंगे, वहीं मजबूत फंडामेंटल और उचित मूल्यांकन वाले छोटे और मध्यम आकार के आईपीओ भी निवेशकों के लिए बेहतरीन अवसर साबित हो सकते हैं।

एम्ब्रेयर-महिंद्रा की बड़ी तैयारी: 80 विमानों की डील मिली तो नागपुर में बनेगा सी-390; क्या है पूरा प्लान?

भारत के अरबों डॉलर के सौदे पर एम्ब्रेयर और महिंद्रा ग्रुप की नजर है। भारत करीब 80 मध्यम परिवहन विमान (एमटीए) खरीदने की योजना बना रहा है। ऐसे में एयरोस्पेस कंपनी एम्ब्रेयर और महिंद्रा ग्रुप ने नागपुर को संभावित विनिर्माण केंद्र के रूप में चुना है। यहां सी-390 मिलेनियम की असेंबली लाइन लगाई जा सकती है। यह तभी होगा, जब इस सौदे का ठेका उन्हें मिलता है। दोनों कंपनियां भारत में स्थानीय उत्पादन और समर्थन केंद्र (सपोर्ट हब) बनाने की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए शुरुआती काम तेजी से चल रहा है। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदने की योजना बना रही है। इन विमानों से पुराने सोवियत दौर के एएन-32 और आईएल-76 विमानों की जगह ली जाएगी। सी-390 मिलेनियम के अलावा इस सौदे के लिए दो और बड़े दावेदार हैं। इनमें एयरबस डिफेंस एंड स्पेस का ए-400एम विमान और लॉकहीड मार्टिन का सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस शामिल है। भारतीय वायुसेना के पास पहले से 12 सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस विमान हैं।

महिंद्रा ने क्या कहा?

महिंद्रा ग्रुप की ग्रुप एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सदस्य विनोद सहाय ने कहा कि महिंद्रा भारत में दुनिया के स्तर का एयरोस्पेस सिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ऐसी विनिर्माण और तकनीकी क्षमता बनाना चाहती है, जो देश के आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में योगदान दे। उन्होंने कहा कि एम्ब्रेयर के साथ सी-390 मिलेनियम पर काम करते हुए

नागपुर में क्या तैयार होगा?

महिंद्रा ग्रुप और एम्ब्रेयर ने कहा कि वे भारत में सी-390 मिलेनियम के लिए औद्योगिक और समर्थन प्रणाली तैयार करने को लेकर बातचीत और योजना पर काम कर रहे हैं। दोनों कंपनियां भारतीय वायुसेना के मध्यम परिवहन विमान (एमटीए) कार्यक्रम के लिए मिलकर काम कर रही हैं। कंपनियों ने एक बयान में कहा कि तैयारियों के तहत महिंद्रा और एम्ब्रेयर महाराष्ट्र सरकार के साथ काम कर रहे हैं। दोनों ने भारत में एम्ब्रेयर सी-390 मिलेनियम विमानों के उत्पादन के लिए संभावित फाइनल असेंबली लाइन के लिए नागपुर को चुना है। प्रस्तावित सुविधा में भारत में विमान की स्थानीय असेंबली और औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। हालांकि, यह तभी होगा जब भारत सरकार सी-390 मिलेनियम को चुनेगी। साथ ही, भारतीय वायुसेना के एमटीए कार्यक्रम के तहत ऑर्डर दिया जाना भी जरूरी होगा।कंपनियों ने कहा कि वे महाराष्ट्र सरकार के साथ जुड़े जरूरी काम पूरे करने के लिए करीब से काम कर रही हैं। इसका मकसद यह है कि अगर यह कार्यक्रम साझेदारी को मिलता है, तो जरूरी औद्योगिक ढांचे पर तेजी से काम शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि नागपुर ऐसी क्षमता के लिए एक अच्छा अवसर देता है।

धान-मक्का-सोयाबीन का रकबा घटा: हल्दी भी महंगी आने वाले दिनों में क्या होगा असर?

खरीफ सीजन में धान, मक्का और सोयाबीन की बुआई का रकबा घटा है, जबकि उड़द, तुअर और बाजरा की बुआई बढ़ी है। वहीं हल्दी के दाम एक साल में 42 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 21,400 रुपये प्रति क्विंटल के करीब पहुंच गए हैं। आने वाले दिनों में इसका असर आपकी रसोई और बाजार पर कितना पड़ेगा? पढ़िए इस रिपोर्ट में।देश में खरीफ सीजन की फसलों के बुआई क्षेत्र में इस बार आए उतार-चढ़ाव का सीधा असर आने वाले महीनों में आपकी रसोई और बाजार पर पड़ सकता है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, धान के रकबे में सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली है। यह 438.19 लाख हेक्टेयर से घटकर 421.82 लाख हेक्टेयर रह गया है। इससे चावल के कुल उत्पादन पर असर पड़ना तय है।मक्का का रकबा 94.08 लाख हेक्टेयर से घटकर 91.09 लाख हेक्टेयर हो गया है, यानी इसमें 2.99 लाख हेक्टेयर की कमी आई है। मक्का का इस्तेमाल न केवल खाद्य बल्कि पोल्ट्री (मुर्गी पालन) और स्टार्च उद्योग में बड़े पैमाने पर होता है। इससे घरेलू उपलब्धता प्रभावित होने पर दाम चढ़ सकते हैं। इसके अलावा, सोयाबीन का रकबा 122.98 लाख हेक्टेयर से घटकर 121.82 लाख हेक्टेयर रह गया है, यानी इसमें 1.16 लाख हेक्टेयर की गिरावट आई है।उड़द, बाजरा की बढ़ी बुआई

एक तरफ जहां प्रमुख फसलों का रकबा घटा है, वहीं दूसरी तरफ दालों, मोटे अनाजों और तिलहन के मोर्चे पर कुछ राहत भरी खबरें भी हैं। उड़द की बुआई 22.46 लाख हेक्टेयर से 11.9% बढ़कर 25.15 लाख हेक्टेयर हो गई है। तुअर का रकबा भी 44.93 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 45.66 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है। इसके अलावा, बाजरा का क्षेत्र 62.87 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 64.86 लाख हेक्टेयर हो गया है,

सर्राफा बाजार: सोने के दाम ₹700 रुपये बढ़कर 1.49 लाख प्रति 10 ग्राम हुए; चांदी स्थिर, बाजार में क्या चल रहा?

सोने की कीमतों में दो महीने के निचले स्तर से 700 रुपये की शानदार वापसी हुई, दिल्ली में यह 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। निवेशकों की खरीदारी और वैश्विक रुझानों ने बाजार को सहारा दिया, जबकि चांदी स्थिर रही। दिल्ली में बुधवार को सोने के भाव दो महीने के निचले स्तर से संभले। निवेशकों की ओर से निचले स्तरों पर खरीदारी करने और वैश्विक बाजार में मजबूत रुझान के कारण सोने की कीमतों में वृद्धि हुई। 10 ग्राम सोने की कीमत 700 रुपये बढ़कर 1.49 लाख रुपये हो गई। वहीं, चांदी के दाम लगातार दूसरे सत्र में स्थिर बने रहे। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाला पीला धातु दो सत्रों की गिरावट के बाद चढ़ा। मंगलवार के बंद भाव 1,48,600 रुपये प्रति 10 ग्राम से बढ़कर यह 1,49,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें सभी कर शामिल हैं। चांदी की कीमत लगातार दूसरे सत्र में 2.32 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित रही। इसमें भी सभी कर शामिल हैं। ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म लेमन के रिसर्च हेड गौरव गर्ग ने बताया कि हाल की गिरावट के बाद व्यापारियों की मूल्य खरीदारी से सोने की कीमतों में सुधार हुआ। हालांकि, अमेरिकी डॉलर में उतार-चढ़ाव ने सोने की कीमतों में अधिक उछाल को सीमित रखा।

वैश्विक बाजार में सोने पर क्या रुझान?

वैश्विक बाजारों में, हाजिर सोना मामूली रूप से बढ़कर 4,190 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं, चांदी 1.28 फीसदी गिरकर 60.68 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गई। आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड की कमोडिटीज और करेंसी रिसर्च एनालिस्ट वेदिका नार्वेकर ने इस पर टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि सोना 4,195 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास बना हुआ था। सितंबर माह के अंत तक यह 5 फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ समाप्त होने की राह पर था। यह स्थिति सहायक कारकों और लगातार बाधाओं के बीच चल रही खींचतान को दर्शाती है। कच्चे तेल और बढ़ती महंगाई का क्या असर?

कच्चे तेल की कीमतों में हाल ही में कमी आई है। यह कमी सऊदी अरब द्वारा एक प्रमुख पाइपलाइन के माध्यम से आपूर्ति बढ़ाने के बाद हुई है। इस कदम से महंगाई संबंधी कुछ चिंताएं कम हुई हैं। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी का असर भी सोने के बाजार पर पड़ा है। यह एक महत्वपूर्ण कारक है जो निवेशकों के रुझान को प्रभावित करता है और सोने की कीमतों पर दबाव डालता है।

द बोनस मार्केट अपडेट: सेंसेक्स 600 अंक टूटा, निफ्टी 22,700 के नीचे फिसला; जानिए क्या है इस गिरावट का कारण

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह की शुरुआत कमजोर रही। सेंसेक्स 600 से अधिक अंक गिरा, जबकि निफ्टी 22,600 के नीचे पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बाजार को नीचे खींचा। जानें वैश्विक बाजारों का हाल और तकनीकी विश्लेषण।भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह की शुरुआत कमजोर रही। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 600 से अधिक अंक टूट गया। निफ्टी भी 22,600 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे फिसल गया।सुबह 10:02 बजे सेंसेक्स 616.08 अंक यानी 0.84% गिरकर 72,155.64 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी 190.25 अंक यानी 0.84% की गिरावट के साथ 22,590.00 अंक पर पहुंच गया। दोनों प्रमुख सूचकांकों में करीब 0.84% की गिरावट से शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव साफ नजर आया।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स और इंफोसिस प्रमुख रूप से गिरे। वहीं, सन फार्मा, इंटरग्लोब एविएशन और अदाणी पोर्ट्स के शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.74 फीसदी बढ़कर 107.1 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 5,353.22 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े शेयरों ने बाजार को सबसे ज्यादा नीचे खींचा। विश्लेषकों ने बताया कि 22,600 से नीचे की निर्णायक गिरावट बिकवाली के दबाव को और बढ़ा सकती है। इससे सूचकांक 22,400 की ओर बढ़ सकता है। यह स्तर पिछले दो वर्षों की प्रमुख निचले प्रवृत्ति रेखा और 200-सप्ताह के ईएमए से जुड़ा है, जो महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान करता है।भारतीय शेयर बाजार में आई इस गिरावट की मुख्य वजह वैश्विक तनाव और आर्थिक दबाव हैं।

अनिल कपूरः एशियन एकेडमी अवॉर्ड्स में 'सबेदार' का जलवा अभिनेता को इस कैटेगरी में मिला नॉमिनेशन

Anil Kapoor’s Movie Subedaar: अनिल कपूर स्टारर फिल्म 'सूबेदार' इसी साल मार्च में रिलीज हुई थी। अब इस फिल्म का एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवॉर्ड्स में जलवा देखने को मिला है।

सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सूबेदार' 5 मार्च, 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। अब इस फिल्म ने एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवॉर्ड्स में भारत के लिए बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड जीता। सिर्फ इतना ही नहीं, फिल्म में अपनी भूमिका के लिए अभिनेता अनिल कपूर को बेस्ट एक्टर इन ए लीडिंग रोल कैटेगरी में नॉमिनेट भी किया गया है। बता दें कि एक्शन-ड्रामा फिल्म में अनिल कपूर ने रिटायर्ड सैनिक 'सूबेदार' अर्जुन मौर्य का किरदार निभाया था। इस सम्मान पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता ने सोशल मीडिया पर अवॉर्ड्स की ऑफिशियल ब्रॉडकास्ट की एक तस्वीर शेयर की और इसे अपने करियर का एक खास पल बताया। पोस्ट शेयर करते हुए अभिनेता ने लिखा, 'मेरी जर्नी का एक बहुत खास पल। 'सुबेदार' के लिए एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवॉर्ड्स में बेस्ट एक्टर इन ए लीडिंग रोल के लिए नॉमिनेट होना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए मुझे खुशी हो रही है। पूरी टीम और फिल्म को सपोर्ट करने वाले सभी लोगों का आभारी हूं।' इसके साथ ही पोस्ट में अभिनेता ने डायरेक्टर को बधाई देते हुए लिखा, 'सुरेश यह मेरे लिए और भी अधिक मायने रखता है, क्योंकि हमने इसे बनाते समय एक साथ सफर तय किया है।' अनिल कपूर के अलावा फिल्म में खुशबू सुंदर, सौरभ शुक्ला, आदित्य रावल, मोना सिंह और फैसल मलिक भी नजर आए थे।

कब होगी विजेताओं की घोषणा?

वैरायटी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्टार जैकी चैन और अनिल कपूर की फिल्मों को एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवॉर्ड्स में घोषित 335 राष्ट्रीय विजेताओं में जगह मिली है।

'द शैडोज एज' ने चाइनीज मेनलैंड के लिए बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड जीता, जबकि ‘सुबेदार’ ने भारत के लिए इसी कैटेगरी में जीत हासिल की।

- इन विजेताओं में 18 देश और क्षेत्र शामिल हैं और उन्हें 39 कैटेगरी में चुना गया है।

पेजेंटः कौन हैं आशा दीपिका?

Mrs Unity World 2026 Asha Deepika: आशा दीपिका अट्टालुरी ने मिसेज यूनिटी वर्ल्ड 2026 का खिताब अपने नाम किया। आइए जानते हैं कि आखिर वह कौन हैं। बीते शनिवार को लखनऊ में मिसेज यूनिटी वर्ल्ड 2026 का फिनाले आयोजित किया गया था। इसमें आशा दीपिका अट्टालुरी ने खिताब अपने नाम किया। यह खिताब जीतने के बाद वह हैदराबाद के शमशाबाद एयरपोर्ट पहुंचीं और वहां उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की। बीते शनिवार को लखनऊ में मिसेज यूनिटी वर्ल्ड 2026 का फिनाले आयोजित किया गया था। इसमें आशा दीपिका अट्टालुरी ने खिताब अपने नाम किया। यह खिताब जीतने के बाद वह हैदराबाद के शमशाबाद एयरपोर्ट पहुंचीं और वहां उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की। आशा दीपिका ने एएनआई से बात करते हुए कहा, 'भारत ने यूनिटी पेजेंट जीता है, जिसका मतलब है कि मैं जीती, पूरा देश जीता। अब मैं मिसेज वर्ल्ड हूं और मैं पूरे देश, पूरी दुनिया का प्रतिनिधित्व कर रही हूं। मुझे तेलंगाना पर बहुत गर्व है, क्योंकि मैं तेलंगाना में ही पली-बढ़ी हूं। मैं एक तेलुगु लड़की हूं, इसलिए मैं बहुत खुश हूं कि मैं यह लाल ताज वापस ला पाई।' आशा दीपिका ने आगे कहा, 'इस ताज को बनाने में छह महीने लगे, यह रूस में बना है और हाथ से बनाया गया ताज है। मैं अभी गर्व के साथ भारत और दुनिया का प्रतिनिधित्व कर रही हूं।' आशा दीपिका का उनके परिवार वालों और प्रशंसकों ने स्वागत किया। इससे पहले अपनी पोस्ट में आशा दीपिका ने खिताब जीतने का जश्न मनाते हुए लिखा, 'हां दुनिया, हमने इतिहास रच दिया। ताज का सपना देखने से लेकर आखिरकार उसे पहनने तक... यह पल एक खूबसूरत याद दिलाता है कि देर रात तक जागना, हर रिहर्सल, हर चुनौती और हर छोटे कदम की मेहनत रंग लाई। सपनों, मकसद, कड़ी मेहनत और अनगिनत यादों से भरा यह सफर आखिरकार इस यादगार पल तक पहुंचा है- मिसेज यूनिटी वर्ल्ड 2026।' 38 साल की आशा एक विजनरी, उद्यमी, टेक्नोलॉजिस्ट और समाजसेवी हैं। उनका जन्म आंध्र प्रदेश में हुआ और उनकी परवरिश हैदराबाद, तेलंगाना में हुई। फिलहाल वह अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में रहती हैं। आशा ने 'इन्फॉर्मेशन सिस्टम में मास्टर डिग्री' और 'कंप्यूटर साइंस में बैचलर डिग्री' हासिल की है।

कॉफी विद करणः क्यों खत्म होने जा रहा चर्चित शो?

Koffee With Karan 9: करण जौहर का टॉक शो ‘कॉफी विद करण 9’ जल्द रिलीज होने जा रहा है। नए सीजन से पहले यहां जानें पिछले सभी सीजन के सबसे कॉन्ट्रोवर्शियल किस्सों के बारे में। करण जौहर का मशहूर चैट शो ‘कॉफी विद करण’ हमेशा से बॉलीवुड सितारों की दिलचस्प बातों और खुलासों के लिए जाना जाता रहा है। शो के कई एपिसोड में सितारों ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े किस्से शेयर किए, लेकिन कुछ बातचीत ऐसी भी रही, जो बाद में बड़े विवादों में बदल गईं। कभी किसी स्टार के बयान से सोशल मीडिया पर बवाल हुआ, तो कभी बात इतनी बढ़ गई कि कानूनी कार्रवाई तक की नौबत आ गई। आइए जानते हैं ‘कॉफी विद करण’ के कुछ ऐसे ही चर्चित विवादों के बारे में। साथ ही जानिए कि क्यों नौंवे सीजन के बाद करण ने इसे खत्म करने का फैसला किया है। जनवरी 2019 में क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और केएल राहुल ‘कॉफी विद करण’ के छठे सीजन में पहुंचे थे। शो के दौरान महिलाओं को लेकर हार्दिक पांड्या की कुछ टिप्पणियों पर काफी विवाद हुआ। इसके बाद पांड्या ने सोशल मीडिया पर माफी भी मांगी और कहा कि वह शो के माहौल में बह गए थे। मामला इतना बढ़ गया कि BCCI ने जांच पूरी होने तक दोनों खिलाड़ियों को निलंबित कर दिया और उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापस बुला लिया गया।

विवाद के बाद हार्दिक पांड्या और केएल राहुल वाला एपिसोड डिजिटल प्लेटफॉर्म से भी हटा दिया गया था। स्टार वर्ल्ड इंडिया ने भी इससे जुड़े प्रमोशनल कंटेंट को सोशल मीडिया से हटा दिया था। साल 2017 में कंगना रनौत ‘कॉफी विद करण’ के पांचवें सीजन में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने करण जौहर के सामने ही उन्हें ‘मूवी माफिया’ और ‘नेपोटिज्म का ध्वजवाहक’ कह दिया था। कंगना के इस बयान के बाद नेपोटिज्म का मुद्दा बॉलीवुड में काफी चर्चा में आया। शो के दौरान करण ने इस बात को हंसकर टाल दिया था, लेकिन बाद में उन्होंने एक कार्यक्रम में कंगना के बयान पर रिएक्ट किया था। करण ने कंगना पर ‘विक्टिम कार्ड’ और ‘वुमन कार्ड’ खेलने की बात कही थी। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर कंगना को फिल्म इंडस्ट्री इतनी खराब लगती है, तो उन्हें इसे छोड़ देना चाहिए। अक्टूबर 2023 में ‘कॉफी विद करण’ के 8वें सीजन की शुरुआत रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की जोड़ी के साथ हुई थी। शो में दोनों ने अपनी शादी और रिश्ते से जुड़े कई खुलासे किए थे। रणवीर ने बताया था कि उन्होंने साल 2015 में दीपिका को प्रपोज किया था

महात्मा गांधीः 100 साल में कैसे बदली तस्वीर?

Gandhi Jayanti 2026: आज 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती है। हिंदी सिनेमा में ऐसी कई फिल्में बनीं जिनमें बापू की जिंदगी को अलग-अलग नजरिए से लोगों तक पहुंचाया। जानिए ऐसी फिल्मों के बारे मे महात्मा गांधी सिर्फ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के बड़े नेता नहीं थे, बल्कि सिनेमा के लिए भी एक ऐसा चेहरा रहे। कई मेकर्स ने उन्हें अलग-अलग दौर में अलग नजरिए से दिखाया। किसी फिल्म में उनके जीवन को दिखाया गया, तो उनके दक्षिण अफ्रीका वाले सफर को दिखाया गया। आज गांधी जयंती पर जानिए चुनिंदा फिल्मों के बारे मे फिल्म 'भक्त विदुर' साल 1921 में आई मूक फिल्म थी, जिसे कांजीभाई राठौड़ ने डायरेक्ट किया था और फिल्म का प्रोडक्शन कोहिनूर फिल्म कंपनी ने किया था। फिल्म महाभारत के विदुर के किरदार से प्रभावित थी। लेकिन फिल्म में विदुर के किरदार को महात्मा गांधी से प्रभावित बताकर अंग्रेजों ने इसे कराची और मद्रास प्रेसिडेंसी में रिलीज होने से रोक दिया था।साल 1939 में आई मशहूर तमिल निर्देशक के. सुब्रमण्यम की फिल्म 'त्याग भूमि' लेखक 'कल्कि' के उपन्यास पर आधारित थी। बताया जाता है कि यह फिल्म सीधे तौर पर गांधी के सिद्धांतों, अस्पृश्यता निवारण, महिला सशक्तिकरण और विदेशी सामानों के बहिष्कार पर केंद्रित थी। फिल्म में वास्तविक कांग्रेस रैलियों, खादी आंदोलन और गांधी की तस्वीरों का भरपूर इस्तेमाल किया गया था। जब ये फिल्म मद्रास के 'गेयटी थिएटर' में लगी, तब कुछ हफ्तों तक हाउसफुल चलती रही। लेकिन फिर दर्शकों का देशप्रेम देखकर ब्रिटिश सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया और सिनेमाघरों से प्रिंट्स भी जब्त करवा लिए थे, लेकिन निर्देशक ने चुपचाप इसकी कॉपियां जनता को मुफ्त बांट दी थीं। साल 1940 में आई ये महात्मा गांधी पर बनी पहली डॉक्यूमेंट्री थी, जिसे ए.के. चेट्टियार ने बनाया था। इसका महत्व इसलिए है, क्योंकि इसमें किसी अभिनेता ने गांधी की भूमिका नहीं निभाई, बल्कि वास्तविक गांधी के फिल्माए गए फुटेज का इस्तेमाल किया गया। गांधी हेरिटेज पोर्टल पर यह फिल्म 1940 में ए.के. चेट्टियार द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री के रूप में दर्ज है और इसके कई हिस्से आज भी संग्रह में उपलब्ध हैं। साल 1963 में आई मार्क रॉबसन की 'नाइन ऑवर्स टू रामा' स्टेनली वोल्पर्ट के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित थी। कहानी गांधी की हत्या से पहले के घंटों में नाथूराम गोडसे को केंद्र में रखती है। फिल्म को भारत में बैन कर दिया गया था। विठ्ठलभाई झवेरी की यह डॉक्यूमेंट्री 1968 में रिलीज हुई। इसे गांधी पर बनी सबसे विस्तृत फिल्मों में गिना जाता है। इसका लंबा वर्जन करीब पांच घंटे का है और इसमें गांधी के बचपन से लेकर 1948 में उनकी हत्या तक की यात्रा दिखाई गई है। फिल्म में पुरानी तस्वीरों, वास्तविक फुटेज, पुराने प्रिंट और एनीमेशन का इस्तेमाल किया गया। खास बात यह है कि कहानी को काफी हद तक गांधी के अपने शब्दों के जरिए सुनाया गया। साल 1982 में आई रिचर्ड एटनबरो की यह फिल्म गांधी पर बनी सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। इसमें बेन किंग्सले ने गांधी की भूमिका निभाई थी। फिल्म गांधी की हत्या और अंतिम यात्रा से शुरू होती है। फिर कहानी करीब 50 साल पीछे दक्षिण अफ्रीका पहुंचती है।

वहां एक युवा वकील के रूप में गांधी के नस्लीय भेदभाव के खिलाफ संघर्ष से कहानी आगे बढ़ती है और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन तक पहुंचती है।

Dupahiya 2 Review: निरहुआ बने स्टेपनी

Dupahiya 2 Web Series Review: वेब सीरीज ‘दुपहिया 2’ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी है। इसमें झा परिवार की मुश्किलों में लिपटी कॉमेडी और निरहुआ का मजाकिया अंदाज नजर आ रहा है। जानें किसने किया दर्शकों का असली मनोरंजन? ‘दुपहिया 2’ का इंतजार फैंस को काफी वक्त से था, क्योंकि सीजन 1 में धड़कपुर गांव के कई सपने और कहानियां अधूरी रह गई थीं। दुपहिया के सीजन 2 की कहानी वहीं से शुरू होती है जहां से दर्शकों ने इसे छोड़ा था। कमाल का अभिनय और सामान्य घरों की रोजमर्रा की परेशानियों में कॉमेडी को सैंडविच बना के परोसना, यही तो एक्स फैक्टर रहा है ‘दुपहिया’ का। पढ़िए इस बार क्या तूफान आया है धड़कपुर मे कहानी फिर धड़कपुर गांव में लौटती है। इस बार बनवारी की जमीन पर मोबाइल टावर लगाने की योजना गांव में नई अफवाहों और विवादों को जन्म देती है। इससे प्रभावित होकर गांव में सम्मानित पुष्पलता (रेणुका शहाणे) इस योजना को रोकने की कोशिश में लग जाती हैं। वहीं भूगोल (स्पर्श श्रीवास्तव) सोशल मीडिया पर पहचान बना चुका है, मगर लड़की के भेष में डांस करने की वजह से उनके पिता बनवारी (गजराज राव) उससे काफी नाराज हैं। बनवारी की बेटी रोशनी (शिवानी रघुवंशी) की एसएससी परीक्षा करीब है। इसे पास करके उसे अपना पहले सीजन में लिया गया चैलेंज पूरा करना है। मेहनत करने के बाद भी उसके परीक्षा में सफल होने के बहुत कम चांस हैं। रोशनी की इस मुश्किल में उसका साथ देता है अमावस (भुवन अरोड़ा) इसके साथ ही इंस्पेक्टर मिथलेश (यशपाल शर्मा) को किसी गड़बड़ी की आशंका है। वहीं रोशनी अपने एसएससी के पेपर का जुगाड़ करने कोचिंग सेंटर के ओनर प्रथम कुमार (निरहुआ) के पास पहुंतचती है। अब आगे क्या होगा इसके लिए आपको सीरीज देखनी पड़ेगी। कहानी में परीक्षा, प्रेम, गांव की राजनीति और कथित घोटाले का तड़का है। वेब सीरीज ‘दुपहिया 2’ की कहानी समाज और गांव की पृष्टभूमि पर है। सीरीज की कहानी के अनुसार सारे किरदारों का अभिनय काफी अच्छा और रियलिस्टिक लगता है। गजराज राव, रेणुका शहाणे, यशपाल शर्मा, दिनेश लाल यादव पहले से ही मंझे हुए कलाकार हैं। मगर स्पर्श श्रीवास्तव, शिवानी रघुवंशी, भुवन अरोड़ा सभी इस बार भी अपने किरदारों के साथ इंसाफ करते दिखाई देते हैं। हालांकि, दूसरी तरफ यह कहना भी गलत नहीं होगा कि कहानी जहां कहीं भी पटरी से उतरती है तो इन कलाकारों के अभिनय में एक तरह की ओवरएक्टिंग दिखाई देती है। निर्देशक सोनम नायर बॉलीवुड की कई फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम कर चुकी हैं। मगर असली पहचान उन्हें वेबसीरीज ‘दुपहिया’ से मिली है। ‘दुपहिया 2’ में कहानी अच्छी है। निर्देशन भी ठीक-ठाक है, मगर कहीं न कहीं कुछ कमी नजर आती है। कहानी में इस बार इतने सारे किरदार हो चुके हैं कि दर्शक जब तक किसी एक किरदार की कहानी और संघर्ष को महसूस करते हैं, दूसरे किरदार की कहानी शुरू हो जाती है। इससे एक तरह से न आप हंस पाते हैं न ही किसी किरदार को करीब से महसूस कर पाते हैं। सीरीज शुरू में धीमी है, आपको लगता है कि कुछ एपिसोड बाद रफ्तार पकड़ेगी। मगर बीच के एपिसोड में यह और ज्यादा धीमी हो जाती है। फिर आखिरी के कुछ एपिसोड में जब स्पीड पकड़ती है तो आपको एक रोलर कोस्टर जैसा फील होता है।

दुपहिया’ का पहला सीजन अगर देखा है तो दूसरा सीजन भी देखना बनता है।

Aaj ka Rashifal 01 October

आज का राशिफल: मेष, कर्क और सिंह के लिए बन रहे हैं लाभ के योग, जानें बाकी राशियों का हाल

2 अक्तूबर 2026 को ग्रहों की चाल आपके लिए क्या संकेत दे रही है? जानिए मेष से मीन तक 12 राशियों का राशिफल।

अक्तूबर महीने का पहला दिन आपके लिए नई ऊर्जा, नई उम्मीदें और कई महत्वपूर्ण संकेत लेकर आया है। 2 अक्तूबर 2026 को ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति का प्रभाव आपके कामकाज, धन, करियर, व्यापार, परिवार और रिश्तों पर देखने को मिल सकता है। किसी राशि के जातकों को आज सफलता और लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं, तो कुछ लोगों को अपने फैसलों में सावधानी बरतने की जरूरत होगी। आज का दिन आपके लिए कैसा रहेगा? नौकरी और व्यापार में क्या बदलाव देखने को मिल सकते हैं? आर्थिक स्थिति कैसी रहेगी और परिवार एवं दांपत्य जीवन में क्या खास रहेगा? स्वास्थ्य के मामले में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? आइए जानते हैं सभी 12 राशियों वालों के लिए 1 अक्तूबर 2026 का विस्तृत दैनिक राशिफल और आज का भविष्यफल।

मेष

आज आपके भीतर उत्साह और कुछ नया करने की चाहत बनी रहेगी। कामकाज को लेकर नए विचार आएंगे और उन्हें पूरा करने के लिए आप पूरी मेहनत करेंगे। जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आपका आत्मविश्वास आपको आगे बढ़ाता रहेगा। नौकरी बदलने का विचार कर रहे हैं तो आज परिस्थितियां सकारात्मक नजर आ सकती हैं। संपत्ति से जुड़ा कोई फैसला लाभ दे सकता है। वहीं, अविवाहित लोगों के जीवन में किसी नए रिश्ते की शुरुआत की संभावना मन को खुश कर सकती है।

वृषभ

आज समझदारी और संतुलन के साथ आगे बढ़ने का दिन है। बेवजह के खर्चों पर लगाम लगाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को अपनी पहचान मजबूत करने का अवसर मिल सकता है। आपकी नेतृत्व क्षमता दूसरों को प्रभावित करेगी और आपका संपर्क भविष्य में काम आ सकता है। जीवनसाथी के साथ चल रहा कोई पुराना मतभेद बातचीत के जरिए दूर हो सकता है और रिश्ते में फिर से अपनापन महसूस होगा।

मिथुन

आज भाग्य का साथ मिलने से कई काम उम्मीद से आसानी से पूरे हो सकते हैं। सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी और प्रभावशाली लोगों से संपर्क बनेगा। हालांकि अपनी छवि और प्रतिष्ठा को लेकर थोड़ा सतर्क रहना जरूरी है, क्योंकि कोई व्यक्ति गलतफहमी पैदा करने की कोशिश कर सकता है। घर के अधूरे काम निपटाने का अच्छा समय है। परिवार के किसी सदस्य के दूर जाने या बाहर जाने की खबर भावुक कर सकती है।

कर्क

आज आपका उत्साह और सकारात्मक सोच हर काम में दिखाई देगा। समझदारी से लिया गया फैसला आपको अच्छे परिणाम दिला सकता है। आध्यात्म और भक्ति की ओर मन आकर्षित होगा, जिससे भीतर से शांति और संतोष महसूस करेंगे। व्यापार में आपकी रचनात्मक सोच नए अवसरों के दरवाजे खोल सकती है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत में कमी नहीं आने देनी चाहिए। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर आपको गर्व और खुशी से भर सकती है।

सिंह

आज व्यापार और भविष्य की योजनाओं के लिए दिन उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। आपके फैसलों का अच्छा असर देखने को मिल सकता है और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। घर में किसी मेहमान के आगमन से माहौल खुशनुमा रहेगा। हालांकि काम को लगातार टालते रहना नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए समय का सही इस्तेमाल करें। छोटी यात्रा या कहीं घूमने जाने की योजना मन को नई ताजगी दे सकती है।

कन्या

आज आर्थिक मामलों और निवेश से जुड़े फैसलों में सकारात्मकता दिखाई दे सकती है। काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़े तो यह आगे चलकर लाभदायक साबित हो सकती है। अपनी सेहत को नजरअंदाज करने से बचें और आराम के लिए भी समय निकालें। भाई-बहनों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। माता-पिता के साथ समय बिताने से मन को विशेष संतोष मिलेगा। लंबे समय से अटकी हुई कोई महत्वपूर्ण डील अब आगे बढ़ने की उम्मीद है।

तुला

आज आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के नए अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में साझेदारी का कोई प्रस्ताव सामने आ सकता है, जिस पर सोच-समझकर निर्णय लेना लाभदायक रहेगा। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा से जुड़े नए रास्ते खुल सकते हैं। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से अच्छी खबर मिलने की संभावना है। लंबे समय से दिया हुआ उधार वापस मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपने काम के लिए प्रमोशन, सराहना या कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

वृश्चिक

आज मेहनत का परिणाम मिलने से मन में संतोष रहेगा। कामकाज में प्रगति होगी और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के अवसर सामने आ सकते हैं। किसी से किया हुआ वादा आपको अपनी जिम्मेदारी पूरी करने के लिए प्रेरित करेगा। किसी जरूरतमंद की मदद करने का मौका मिलेगा, जिससे मन को सुकून मिलेगा। काम से जुड़े नए विचार अभी छोटे लग सकते हैं, लेकिन आने वाले समय में यही विचार बड़ी उपलब्धि की नींव बन सकते हैं।

धनु

आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन की सराहना हो सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तालमेल अच्छा रहेगा और अपनी स्थिति को मजबूत करने का अवसर मिलेगा। व्यापार करने वालों को भी अपने प्रयासों का फायदा मिलना शुरू हो सकता है। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को उत्साह बढ़ाने वाले संकेत मिल सकते हैं। परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ेगा, हालांकि किसी विरोधी की बात कुछ समय के लिए आपका मूड खराब कर सकती है।

मकर

आज किसी भी महत्वपूर्ण फैसले में जल्दबाजी करने से बचना आपके लिए जरूरी रहेगा। व्यापार में बदलाव का विचार है तो हर पहलू पर अच्छी तरह विचार करने के बाद ही कदम उठाएं। परिस्थितियां थोड़ी कठिन हों तो धैर्य आपका सबसे बड़ा सहारा बनेगा। कोई बनता हुआ काम अचानक रुक सकता है, लेकिन इससे निराश होने की जरूरत नहीं है। सही समय पर आपको सहयोग और मदद मिल सकती है, इसलिए भरोसा बनाए रखें।

कुंभ

आज भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। किस्मत आपका साथ दे सकती है, लेकिन सफलता के लिए आलस्य छोड़कर सक्रिय रहना जरूरी होगा। अविवाहित लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जो आगे चलकर महत्वपूर्ण बन सकती है। अपनी जीवनशैली में कुछ अच्छे बदलाव करने का मन बनेगा। रुका हुआ धन वापस मिलने की उम्मीद है। पुराने मित्र से मुलाकात होने पर बीते दिनों की कई खूबसूरत यादें फिर से ताजा हो जाएंगी।

मीन

आज सेहत को लेकर राहत महसूस हो सकती है और पुरानी परेशानी में कमी आने के संकेत हैं। फिर भी किसी विरोधी की गतिविधि को लेकर सावधान रहना बेहतर रहेगा। कुछ नया करने की इच्छा आपको रचनात्मक कामों की ओर प्रेरित करेगी। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन धैर्य और समझदारी से स्थिति संभाली जा सकेगी। कर्ज चुकाने की स्थिति बन सकती है। सरकारी काम समय पर पूरे होने से मन को राहत और मानसिक शांति मिलेगी।

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल: मेष, सिंह और तुला राशि वालों के रिश्ते होंगे मजबूत, रिश्तों में बढ़ेगी नजदीकी

2 अक्तूबर को ग्रहों की चाल आपके प्रेम जीवन पर क्या असर डालेगी? जानिए आज का लव राशिफल और रिश्तों से जुड़े महत्वपूर्ण संकेत।

2 अक्तूबर 2026 का दिन प्रेम और रिश्तों के लिहाज से कई राशियों के लिए खास संकेत लेकर आया है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर आपके प्रेम संबंध, पार्टनर के साथ तालमेल और भावनात्मक जुड़ाव पर देखने को मिल सकता है। किसी के रिश्ते में नजदीकियां बढ़ सकती हैं, तो किसी को अपनी भावनाओं को समझदारी के साथ व्यक्त करने की जरूरत पड़ सकती है। वहीं, सिंगल लोगों के लिए किसी खास व्यक्ति से बातचीत या मुलाकात की शुरुआत हो सकती है। आज आपके प्रेम जीवन में क्या बदलाव आ सकते हैं? पार्टनर के साथ रिश्ता कैसा रहेगा, पुरानी नाराजगी दूर होगी या नहीं और सिंगल लोगों के लिए क्या नए संकेत बन रहे हैं? आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए 2 अक्तूबर 2026 का लव राशिफल।

मेष लव राशिफल (Aries Love Horoscope)

आज प्रेम संबंधों के मामले में दिन सकारात्मक रह सकता है। अगर पिछले कुछ समय से पार्टनर के साथ किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा है, तो बातचीत के जरिए उसे दूर करने का अच्छा मौका मिलेगा। अपनी बात रखते समय पार्टनर की भावनाओं को भी समझने की कोशिश करें। शादीशुदा लोगों के रिश्ते में आपसी सहयोग बढ़ सकता है।

अक्तूबर के महीने में बनेंगे 4 बड़े राजयोग, इन 4 राशियों पर बरसेगी कृपा

October Rajyoga 2026: अक्तूबर में बुधादित्य, मालव्य और लक्ष्मी नारायण समेत 4 शुभ योग बनेंगे। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इनका असर 4 राशियों के लिए खास रह सकता है।

October Rajyoga 2026: अक्टूबर 2026 ग्रहों की चाल के लिहाज से महत्वपूर्ण महीना रहने वाला है। इस दौरान कई प्रमुख ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे, जिसके चलते अलग-अलग ग्रहों की युति से बुधादित्य, लक्ष्मी नारायण, मालव्य और त्रिग्रही जैसे शुभ योगों का निर्माण होगा। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इन योगों का प्रभाव अलग-अलग राशियों पर अलग हो सकता है। खासतौर पर कर्क, सिंह, तुला और वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह समय महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, किसी भी राजयोग का वास्तविक प्रभाव व्यक्ति की जन्मकुंडली में ग्रहों की स्थिति, लग्न और दशा आदि पर निर्भर माना जाता है।

4 अक्तूबर को बनेगा त्रिग्रही योग: अक्तूबर की शुरुआत में ही ग्रहों की विशेष स्थिति देखने को मिलेगी। 4 अक्तूबर 2026 को चंद्रमा कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। इस समय कर्क राशि में देवगुरु बृहस्पति और मंगल की मौजूदगी रहेगी। ऐसे में चंद्रमा, गुरु और मंगल की युति से त्रिग्रही योग बनेगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह योग करीब 6 अक्तूबर तक प्रभाव में रह सकता है।

17 अक्तूबर को बुधादित्य योग: 17 अक्तूबर को सूर्य कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में प्रवेश करेंगे। तुला राशि में उस समय बुध की स्थिति रहेगी। सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य योग का निर्माण होगा। ज्योतिष में सूर्य को आत्मविश्वास, पद, प्रतिष्ठा और नेतृत्व से जोड़ा जाता है, जबकि बुध बुद्धि, संवाद, तर्क और व्यापार के कारक माने जाते हैं। ऐसे में इस योग को इन क्षेत्रों से जोड़कर देखा जाता है।

20 अक्तूबर को लक्ष्मी नारायण योग: 20 अक्तूबर को शुक्र तुला राशि में प्रवेश करेंगे। तुला शुक्र की स्वराशि है और यहां पहले से बुध की मौजूदगी रहेगी। शुक्र और बुध की युति से लक्ष्मी नारायण योग बनेगा। तिषीय मान्यताओं में बुध-शुक्र की युति को धन, सुख-सुविधा, कला, व्यापार और भौतिक समृद्धि से संबंधित माना जाता है। ऐसे में इस योग को आर्थिक और व्यावसायिक मामलों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

20 अक्तूबर को ही मालव्य योग: शुक्र के तुला राशि में आने से 20 अक्तूबर को मालव्य योग का निर्माण भी होगा। मालव्य योग पंच महापुरुष योगों में शामिल माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार जब शुक्र अपनी स्वराशि या उच्च राशि में होकर कुंडली के केंद्र भाव यानी प्रथम, चतुर्थ, सप्तम या दशम भाव में स्थित होता है, तब मालव्य योग बनता है। इस योग को ज्योतिषीय मान्यताओं में सुख-सुविधा, ऐश्वर्य, कला, आकर्षण और प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है।

31 अक्तूबर को गुरु करेंगे सिंह राशि में प्रवेश: अक्तूबर के अंतिम दिन 31 अक्तूबर 2026 को देवगुरु बृहस्पति कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। गुरु को ज्योतिष में ज्ञान, शिक्षा, विस्तार और समृद्धि का कारक माना जाता है। वहीं सिंह राशि के स्वामी सूर्य हैं और गुरु-सूर्य के बीच मित्रता का संबंध माना जाता है। इसी वजह से गुरु का सिंह राशि में गोचर ज्योतिषीय दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसका प्रभाव अलग-अलग राशियों पर उनकी कुंडली में गुरु की स्थिति के अनुसार अलग हो सकता है।

शारदीय नवरात्रि में इन 3 राशि वालों को होगा बड़ा लाभ, तरक्की से लेकर विदेश यात्रा तक के बनेंगे योग

Shardiya Navratri 2026: शारदीय नवरात्रि कुछ राशि वालों के लिए खास हो सकता है। जातकों को धन लाभ, तरक्की, मनचाही नौकरी और निवेश से अच्छा लाभ मिलने की संभावनाएं हैं।

Shardiya Navratri 2026: इस साल शारदीय नवरात्रि का आरंभ 11 अक्तूबर 2026 से होगा। इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, माता का हाथी पर आगमन बेहद शुभ माना जाता है क्योंकि हाथी सुख-समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है। मान्यता है कि इसके शुभ प्रभाव से जातकों को धन-धान्य की प्राप्ति होने के साथ ही कार्यों में मनचाही सफलता मिल सकती है। इसका विशेष प्रभाव कुछ राशियों पर भी देखने को मिल सकता है। इस दौरान कुछ राशि वालों को आर्थिक लाभ, करियर में तरक्की और विदेश यात्रा के अवसर मिलने के योग बन रहे हैं। आइए जानते हैं कि शारदीय नवरात्रि किन तीन राशि वालों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है।

करवा चौथ पर राशि के अनुसार पहनें कपड़ों का रंग, जानें किन महिलाओं के लिए कौन-सा रंग रहेगा शुभ

Karwa Chauth 2026: कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। साल 2026 में करवा चौथ का व्रत 29 अक्तूबर को रखा जाएगा। इस दिन राशि के अनुसार कपड़ों का रंग पहनना शुभ माना जाता है। आइए सभी राशियों के लिए लकी रंग जानते हैं।

Karwa Chauth 2026: हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। साल 2026 में करवा चौथ का व्रत 29 अक्तूबर को रखा जाएगा। इस शुभ दिन पर माता करवा की उपासना की जाती है और चंद्र देव को अर्घ्य देने का विधान है। इसके अलावा महिलाएं पति की लंबी उम्र, तरक्की और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए निर्जला व्रत भी रखती हैं। साथ ही, अखंड सौभाग्य की कामना के लिए दान-दक्षिणा, उपाय व पूजा-पाठ जैसे कार्य भी किए जाते हैं। इस शुभ अवसर पर महिलाएं पूरे सोलह श्रृंगार के साथ तैयार होती हैं जिसे सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। हालांकि, इस दिन राशि के अनुसार कपड़ों का रंग पहनना भी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि, करवा चौथ के दिन राशि के अनुसार रंग के वस्त्र पहनने से ग्रहों की कृपा बनी रहती है

वनडे विश्वकप 2027 के ग्रुप घोषित:

दो अक्तूबर से शुरू होगा टूर्नामेंट जानें कब खेला जाएगा फाइनल मुकाबला

आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 का कार्यक्रम जारी हो गया है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में टूर्नामेंट दो अक्तूबर से 21 नवंबर 2027 तक खेला जाएगा, जिसमें 14 टीमें 57 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। इस बार विश्व कप का प्रारूप 2023 से अलग होगा। टूर्नामेंट में सुपर सीरीज, ग्रुप स्टेज और सुपर-7 के तीन चरण होंगे, जिसके बाद शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी और विजेता फाइनल में खिताब के लिए भिड़ेंगे।

आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाला 50 ओवर का यह विश्व कप दो अक्तूबर से 21 नवंबर 2027 तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी और तीन देशों के 12 वेन्यू पर 57 मुकाबले खेले जाएंगे। विश्व कप की शुरुआत नामीबिया की राजधानी विंडहोक में सुपर सीरीज के मुकाबलों से होगी, जबकि खिताबी मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा। 2027 विश्व कप की सबसे बड़ी खासियत इसका बदला हुआ प्रारूप है। 2023 में 10 टीमों ने एक ही लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबले खेले थे, लेकिन इस बार 14 टीमों के टूर्नामेंट को सेमीफाइनल और फाइनल से पहले तीन चरणों में बांटा गया है। इनमें सुपर सीरीज, ग्रुप चरण और सुपर-7 शामिल हैं। इस बदलाव के चलते खिताब जीतने वाली टीम को फाइनल तक पहुंचने के लिए अलग-अलग चरणों में कई मुकाबलों से गुजरना होगा। विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और क्वालिफायर-ए की टीम होगी। क्वालिफायर-ए और क्वालिफायर-बी की टीमों के नाम बाद में तय होंगे। 2027 विश्व कप के लिए 10 टीमें सीधे अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं, जबकि बाकी स्थान क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से तय होंगे। विश्व कप का पहला चरण सुपर सीरीज होगा। इसमें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के आधार पर सबसे निचली रैंकिंग वाली तीन टीमें हिस्सा लेंगी। तीनों टीमें राउंड-रॉबिन आधार पर एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी।

वनडे विश्व कप 2027:

किस टीम के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगा भारत? देखें टीम इंडिया का पूरा कार्यक्रम

ODI World Cup 2027 India Schedule Time Table: आईसीसी ने अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। आइए जानते हैं विश्व कप में टीम इंडिया का कार्यक्रम वनडे विश्व कप 2027 के कार्यक्रम की घोषणा हो गई है। पिछले बार की उपविजेता भारतीय टीम इस बार खिताबी सूखे को खत्म करने के लिए बेताब होगी। भारत विजेता बनने का प्रबल दावेदार है। विश्व कप का आयोजन अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होगा। अभी इस वैश्विक टूर्नामेंट को होने में समय है, लेकिन आईसीसी ने एक साल पहले ही इसका कार्यक्रम जारी कर दिया है। भारतीय टीम गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। 2027 वनडे विश्व कप के लिए 12 वेन्यू तय कर लिए गए हैं। सह-मेजबान दक्षिण अफ्रीका के आठ स्टेडियम इन खेलों की मेजबानी करेंगे। यह प्रतिष्ठित 50 ओवर का टूर्नामेंट 24 साल बाद दक्षिण अफ्रीका में वापसी कर रहा है। इससे पहले 2003 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने आठवें पुरुष क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी की थी। दक्षिण अफ्रीका के आठ शहरों, जिम्बाब्वे के तीन शहरों और नामीबिया की राजधानी विंडहोक को विश्व कप के मुकाबलों की मेजबानी के लिए चुना गया था। दक्षिण अफ्रीका के आठ शहर, जिम्बाब्वे के तीन और नामीबिया का एक शहर अगले साल होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट के मुकाबलों की मेजबानी करेंगे। आइए जानते हैं इन तीनों देशों के किन स्टेडियम में वनडे विश्व कप 2027 के मैच होंगे आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 में 57 मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में अधिक प्रतिस्पर्धा और रोमांच लाने के लिए तीन चरणों वाला नया प्रारूप अपनाया गया है। सबसे पहले सुपर सीरीज खेली जाएगी जिसमें रैंकिंग में 12वें से 14वें स्थान पर रहने वाली तीन टीम राउंड-रॉबिन प्रारूप में आमने-सामने होंगी। इसमें विजेता टीम अगले चरण में पहुंचेगी। इसके बाद 12 टीमों के बीच 30 मैच का ग्रुप चरण होगा।विश्व कप में टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत ग्रुप ए में शामिल है। इसमें पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और क्वालिफायर-ए की टीम को जगह मिली है।

बांग्लादेश को हराकर पाकिस्तान फाइनल में:

नौ गेंद रहते जीता मैच; भारत या श्रीलंका, स्वर्ण के लिए किससे मुकाबला?

बारिश की वजह से यह सेमीफाइनल मुकाबला 13-13 ओवर का किया गया था। पाकिस्तान की टीम ने 112 रन को चेज करते हुए एक वक्त 53 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। पर समद और नवाज ने नाबाद साझेदारी कर अपनी टीम को जीत दिलाई और फाइनल में पहुंचा दिया। एशियन गेम्स में क्वार्टर फाइनल मुकाबले बारिश से धुलने के बाद अब कारवां सेमीफाइनल तक पहुंच चुका है। पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान टीम ने बांग्लादेश को छह विकेट से हरा दिया और फाइनल में जगह बना ली है। इस मैच में पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। बारिश की वजह से यह मुकाबला 13-13 ओवर का कर दिया गया था। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 13 ओवर में सात विकेट पर 111 रन बनाए थे। 112 रन के लक्ष्य को पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में हासिल कर लिया। हसन नवाज 22 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 27 रन और अब्दुल समद 15 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर नाबाद रहे। इन दोनों ने 32 गेंद में नाबाद 59 रन की साझेदारी कर पाकिस्तान को जीत दिलाई। अब दूसरे सेमीफाइनल में कुछ ही देर में भारत का सामना श्रीलंका से होगा। इस मैच को जीतने वाली टीम फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगी। फाइनल तीन अक्तूबर को खेला जाएगा। उसी दिन बांग्लादेश की टीम कांस्य पदक के लिए भी मुकाबला करेगी।

बांग्लादेश: तंजिद हसन तमीम, लिटन दास (विकेटकीपर/कप्तान), तौहीद हृदय, परवेज हुसैन इमोन, मोसादेक हुसैन, सैफ हसन, मेहदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, शरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान। पाकिस्तान: साहिबजादा फरहान (कप्तान), सैम अयूब, उस्मान खान (विकेटकीपर), माज सदाकत, हसन नवाज, अब्दुल समद, अराफात मिन्हास, अहमद दानियाल, मोहम्मद वसीम जूनियर, अबरार अहमद, सुफियान मुकीम

पाकिस्तान की ओर से सुफियान मुकिम ने तीन विकेट लिए। वहीं, अराफात मिनहास को दो विकेट मिले। सैम अयूब ने एक विकेट लिया।

एशियन गेम्स 2026: क्रिकेट में बड़ा उलटफेर

नेपाल ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया 16 गेंद पहले जीता मैच

एशियन गेम्स 2026 में नेपाल ने ग्रुप ए के मुकाबले में अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। अफगानिस्तान ने 102 रन बनाए, जिसके जवाब में नेपाल ने 17.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। संदीप जोरा और रोहित पौडेल ने अहम पारियां खेलीं। नेपाल की यह अफगानिस्तान पर पांच टी20 मुकाबलों में दूसरी जीत है। एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट में बड़ा उलटफेर हुआ है। शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 102 रन ही बना सकी। जवाब में नेपाल ने 16 गेंद शेष रहते यानी 17.2 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मोहम्मद अकरम दो रन और करीम जनत नौ रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हसन ऐसाखिल खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद फैसल शिनोजादा और नजीबुल्लाह जादरान ने चौथे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की। शिनोजादा 33 गेंद में 30 रन और जादरान 40 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए।इसके बाद फैसल शिनोजादा और नजीबुल्लाह जादरान ने चौथे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की। शिनोजादा 33 गेंद में 30 रन और जादरान 40 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
- सम्पादक

गोल्ड के लिए भारत-पाकिस्तान में जंग:

किसी टूर्नामेंट के फाइनल में कौन किस पर भारी? T20 में टीम इंडिया का दबदबा

एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट फाइनल में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। भारत ने सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रन से हराया, जबकि पाकिस्तान ने बारिश से प्रभावित मुकाबले में बांग्लादेश को छह विकेट से शिकस्त दी। दोनों के बीच वनडे टूर्नामेंट फाइनल में पाकिस्तान का रिकॉर्ड बेहतर है, जबकि टी20 फाइनल में भारत ने दोनों मुकाबले जीते हैं। एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट का सबसे बड़ा मुकाबला तय हो गया है। पुरुष क्रिकेट के गोल्ड मेडल मैच में तीन अक्तूबर को भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला सुबह 10 बजे से खेला जाएगा, जबकि टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी सुबह साढ़े नौ बजे होगा। दोनों टीमों ने गुरुवार को अपने-अपने सेमीफाइनल में शानदार जीत दर्ज कर फाइनल का टिकट कटाया। भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराया, जबकि पाकिस्तान ने बारिश से प्रभावित 13 ओवर के मुकाबले में बांग्लादेश को छह विकेट से शिकस्त दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 169/7 का स्कोर बनाया। मुश्किल पिच पर इशान किशन ने नाबाद 80 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। वैभव सूर्यवंशी ने भी 38 रन बनाकर उपयोगी योगदान दिया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंकाई बल्लेबाजी को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने दो-दो विकेट लिए और श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 45 रन पर सिमट गई। भारत ने मुकाबला 124 रन से अपने नाम कर फाइनल में जगह बनाई। श्रीलंका का 45 रन पर ऑलआउट होना पूर्ण सदस्य टीमों के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय में संयुक्त रूप से सबसे कम स्कोर है। भारत की यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 या उससे ज्यादा रन के अंतर से 11वीं जीत भी रही। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान और बांग्लादेश का मुकाबला बारिश के कारण 13-13 ओवर का कर दिया गया।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और बांग्लादेश को 111/7 के स्कोर पर रोक दिया। तौहीद हृदय ने 25 गेंदों पर 42 रन बनाकर बांग्लादेश की पारी को संभाला। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में चार विकेट खोकर 112 रन बना लिए। अब्दुल समद ने नाबाद 30 और हसन नवाज ने नाबाद 27 रन बनाए। पाकिस्तान ने छह विकेट से मुकाबला जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे टूर्नामेंट के फाइनल में अब तक 11 मुकाबले हुए हैं। इनमें भारत ने तीन और पाकिस्तान ने आठ मैच जीते हैं। यानी फाइनल के इतिहास में पाकिस्तान का रिकॉर्ड भारत से बेहतर रहा है। दोनों की पहली फाइनल भिड़ंत 1985 में मेलबर्न में हुई थी, जिसमें भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। इसके बाद पाकिस्तान ने कई अहम फाइनल में भारत को हराया। 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल भी इसी सूची में शामिल है, जहां पाकिस्तान ने भारत को 180 रन से हराया था। टी20 टूर्नामेंट के फाइनल में कहानी बिल्कुल अलग है। भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक दो फाइनल खेले गए हैं

R.N.I No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज इंडिया' प्रेस से
छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के
पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़
होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300